RNI No. GUJHIN/2010/35230

गुजरात नूतन वर्ष अभिनंदन

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

रष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

वर्ष :16 । अंक: 74 । पेज:08। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 10 नवम्बर 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

एलोपैथी से आयुर्वेद की तरफ जा रहे लोगों के भरोसे के साथ बड़ा खेल; फार्मा हब गुजरात में ही आयुष और होम्योपैथिक दवाओं के 21 सैंपल फेल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आज के मॉडर्न ज़माने में जब लोग केमिकल वाली एलोपैथिक दवाओं के साइड इफ़ेक्ट से तंग आकर फिर से शुद्ध, नेचुरल और पारंपरिक आयुर्वेदिक इलाज की तरफ़ मुड़ रहे हैं, एक बहुत ही चौंकाने वाली और परेशान करने वाली खबर सामने आई है। राज्यसभा में पेश एक सरकारी रिपोर्ट ने देश भर के लोगों की चिंता बहुत बढ़ा दी है। शरीर को बीमारियों से ठीक करने के लिए ली जाने वाली उन्हीं 'आयुष' दवाओं की क्वालिटी पर अब गंभीर और बड़े सवाल खड़े हो गए हैं! खासकर, हमारे राज्य गुजरात से, जिसे देश का सबसे बड़ा 'फार्मा हब' माना जाता है, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाओं के कुल 21 सैंपल ऑफिशियली फेल साबित हुए हैं। इस गंभीर खुलासे के बाद, सरकार ने इन सभी कमज़ोर और खतरनाक दवाओं को 'नॉट ऑफ़ स्टैंडर्ड क्वालिटी' घोषित कर दिया है।

सेहत के साथ सीधा खिलवाड़: लोगों की सेहत के लिए खतरा

भारतीय परंपरा में आयुर्वेद को 'अमृत' माना जाता है। लोग मानते हैं कि आयुर्वेदिक दवाओं का कोई साइड इफ़ेक्ट नहीं होता। लेकिन जब कुछ गैर-ज़िम्मेदार बनाने वाले और दवा कंपनियाँ, जो कमर्शियल मुनाफ़ा कमाने के चक्कर में बेईमान हो गई हैं, शुद्धता के नाम पर ज़हर बेचने लगें, तो जनता किस पर भरोसा करे? राज्यसभा में पेश किए गए इन आंकड़ों से यह साबित हो गया है कि गुजरात जैसे राज्य में भी, जो मेडिकल और दवा सेक्टर में सबसे आगे है, क्वालिटी स्टैंडर्ड की खुलेआम धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं। अगर दवाएँ ही सही और क्वालिटी वाली नहीं होंगी, तो मरीज़ ठीक होने के बजाय और भी गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकता है।

दवाओं के सैंपल फेल होने के मुख्य कारण क्या हैं?

मेडिकल एक्सपर्ट्स और रिसर्चर्स के अनुसार, आयुष दवाओं की क्वालिटी खराब होने के पीछे कई गंभीर कारण हैं: क्वालिटी और क्वांटिटी में लापरवाही: आयुर्वेदिक दवाओं में इस्तेमाल होने वाली जड़ी-बूटियों की सही क्वांटिटी नहीं होना या नकली/घटिया रॉ मटीरियल का इस्तेमाल। लैबोरेटरी टेस्टिंग में लापरवाही: बनाते समय सरकारी स्टैंडर्ड और लैब टेस्टिंग के सख्त नियमों का पालन न करना। मुनाफ़ाखोरी की सोच: लोगों के भरोसे और मजबूरी का फ़ायदा उठाकर सस्ते और बेकार इंग्रीडिएंट्स से दवाएँ बनाना। सरकार की तरफ से सख्त एक्शन ज़रूरी: लोगों का गुस्सा फूट रहा है जब लोग हेल्थ इंश्योरेंस और महंगे इलाज से बचने के लिए आयुर्वेद का सहारा लेते हैं, तो ऐसी कमज़ोर और सैंपल-फेल दवाइयों को बाज़ार में बेचना लोगों की जान के लिए सीधा खतरा है। अब समय आ गया है कि सरकार और फ़ूड एंड ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट सिर्फ़ फेल सैंपल की रिपोर्ट जारी करके संतुष्ट न हों, बल्कि इस तरह से करोड़ों लोगों की जान खतरे में डालने वाली फार्मा कंपनियों के खिलाफ़ सख्त से सख्त क्रिमिनल एक्शन लें, उनके लाइसेंस कैंसिल करें और उन्हें कानून का ऐसा सबक सिखाएं कि भविष्य में कोई कंपनी आस्था से खेलने की हिम्मत न करे!

तमिलनाडु में पटाखे चलाने से रोकने पर दरोगा की पीट-पीटकर हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

थेनी। तमिलनाडु के थेनी में सड़क पर पटाखे चलाने से रोकने पर युवकों ने एक दरोगा पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। दक्षिण क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक विजयेंद्र बिदारी के अनुसार, रविवार रात दरोगा सेंथिल कुमार ड्यूटी पूरी कर सादे कपड़ों में घर लौट रहे थे। रास्ते में उन्होंने कुछ युवकों को सड़क पर पटाखे चलाते देखा और लोगों को हो रही परेशानी का हवाला देते हुए उन्हें ऐसा करने से रोका। युवकों के नहीं मानने पर दरोगा मोबाइल से उनकी हरकत का वीडियो बनाने लगे। इसी दौरान एक युवक को पकड़ने की कोशिश में किसी व्यक्ति ने उन पर हमला कर दिया।

दिवाली के बाद दिल्ली-एनसीआर में दमघोंटू हुई हवा, कई इलाकों में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दीपावली की आतिशबाजी के बाद दिल्ली-एनसीआर की हवा जहरीली हो गई है। रविवार रात जमकर आतिशबाजी होने के बाद सोमवार सुबह राजधानी और आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। कई स्थानों पर धुएं की मोटी परत छाने से दृश्यता भी काफी कम हो गई। लोगों को सांस लेने में परेशानी और आंखों में जलन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

पुलिस ठान ले तो गुजरात में शराब की एक बूंद भी नहीं बिकेगी: अल्पेश ठाकोर का बयान बना सियासी तूफान

सत्तारूढ़ दल के विधायक ने शराबबंदी कानून के क्रियान्वयन पर उठाए सवाल, पुलिस और स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर तीखी टिप्पणी; मंत्री पद को लेकर भी रखी बेबाक राय

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात में दशकों से लागू शराबबंदी कानून के बावजूद अवैध शराब का कारोबार लगातार चर्चा और विवाद का विषय बना हुआ है। सरकार की ओर से शराबबंदी को लेकर सख्त कानून और कार्रवाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन दूसरी तरफ राज्य के विभिन्न हिस्सों से अवैध शराब की बरामदगी और तस्करी की खबरें सामने आती रहती हैं। अब इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ दल के विधायक और प्रमुख पिछड़ा वर्ग नेता अल्पेश ठाकोर के एक बयान ने राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यदि पुलिस पूरी इच्छाशक्ति और सख्ती के साथ काम करने का निर्णय कर ले तो गुजरात में शराब की एक बूंद भी नहीं बिक सकती। उनके इस बयान ने सीधे तौर पर शराबबंदी कानून के वास्तविक क्रियान्वयन, पुलिस की जवाबदेही और प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह भी है कि जब राज्य में शराब की बिक्री और तस्करी रोकने के लिए कठोर कानूनी प्रावधान मौजूद हैं, तो इसके बावजूद अवैध कारोबार का नेटवर्क पूरी तरह समाप्त क्यों नहीं हो पा रहा है?

कानून सख्त, फिर भी अवैध शराब का कारोबार कैसे?

गुजरात देश के उन राज्यों में शामिल है, जहां शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी प्रतिबंध लागू है। इसके बावजूद समय-समय पर शराब की बड़ी खेप पकड़े जाने, तस्करी के रास्ते सामने आने और अवैध बिक्री के आरोपों से कानून व्यवस्था पर सवाल उठते रहे हैं। अल्पेश ठाकोर के बयान का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि उन्होंने समस्या की जड़ में पुलिस की इच्छाशक्ति को रखा है। उनका कहना है कि यदि पुलिस ठान ले और प्रभावी कार्रवाई करे तो अवैध शराब के कारोबार को रोका जा सकता है। इस टिप्पणी ने व्यवस्था के भीतर जवाबदेही तय करने की जरूरत को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। हालांकि, पुलिस या प्रशासन की मिलीभगत को लेकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए ठोस प्रमाण और निष्पक्ष जांच आवश्यक है। लेकिन एक निर्वाचित विधायक की ओर से इस तरह का बयान आना अपने आप में गंभीर राजनीतिक और प्रशासनिक विमर्श का विषय है।

पुलिस और प्रशासन की जवाबदेही पर बड़ा सवाल

शराबबंदी की सफलता केवल कानून बनाने से सुनिश्चित नहीं हो सकती। इसके लिए सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी, तस्करी के रास्तों पर नियंत्रण, अवैध बिक्री के ठिकानों पर कार्रवाई और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी जरूरी है। यदि किसी क्षेत्र में लंबे समय तक अवैध शराब का कारोबार चलता रहता है तो यह जांच का विषय बनता है कि सूचना तंत्र और निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी है। अल्पेश ठाकोर की टिप्पणी के बाद सरकार और पुलिस प्रशासन के सामने यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या शराबबंदी को केवल कानूनी प्रतिबंध तक सीमित रखा जाएगा या इसे जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जवाबदेही भी तय होगी?

मंत्री पद से अधिक जनता के मुद्दे महत्वपूर्ण!

इस पूरे घटनाक्रम के बीच अल्पेश ठाकोर ने अपने राजनीतिक भविष्य और मंत्री पद को लेकर भी अपनी राय रखी है। उन्होंने संकेत दिया कि जनहित के मुद्दे उठाने और जनता की समस्याओं के लिए आवाज बुलंद करने के लिए किसी मंत्री पद या राजनीतिक ओहदे की आवश्यकता नहीं है। उनके अनुसार, जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को उठाना और सामाजिक हितों के लिए काम करना अधिक महत्वपूर्ण है। उनकी इस टिप्पणी को राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं और मंत्री पद को लेकर चल रही चर्चाओं के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। हालांकि, उनके बयान के राजनीतिक मायने क्या होंगे, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा।

विपक्ष को मिला सरकार को घेरने का मुद्दा

अल्पेश ठाकोर के बयान से विपक्षी दलों को भी सरकार की शराबबंदी नीति और कानून के क्रियान्वयन पर सवाल उठाने का अवसर मिल सकता है। विपक्ष पहले भी अवैध शराब के कारोबार को



लेकर सरकार और प्रशासन को घेरता रहा है। अब सत्तारूढ़ दल के ही एक विधायक की टिप्पणी इस बहस को नया राजनीतिक आधार दे सकती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि पुलिस की इच्छाशक्ति ही शराबबंदी की सफलता की कुंजी है तो अब तक इस कारोबार पर पूरी तरह अंकुश क्यों नहीं लग पाया? क्या जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी? क्या अवैध शराब के कारोबार के पीछे सक्रिय पूरे नेटवर्क पर निर्णायक कार्रवाई होगी? गुजरात की शराबबंदी व्यवस्था को लेकर उठे इन सवालों का जवाब केवल बयानों से नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाली कार्रवाई से ही मिल सकेगा।

दिवाली की खुशियों पर आग का कहर: देशभर में 23 लोगों की मौत, कई घायल और लापता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दीपावली के पर्व पर देशभर में जहां रोशनी और आतिशबाजी के बीच खुशियां मनाई जा रही थीं, वहीं कई शहरों में आग की घटनाओं ने त्योहार को मातम में बदल दिया। पटाखों और अन्य कारणों से लगी आग में देशभर में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए और कुछ के लापता होने की खबर है। सबसे अधिक जनहानि मध्य प्रदेश में हुई, जहां दो अलग-अलग मकानों में आग लगने से 13 लोगों की जान चली गई। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में एक मकान में लगी भीषण आग ने एक ही परिवार के छह सदस्यों की जिंदगी छीन ली। मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें एक महज दो महीने का शिशु था। वहीं, सिवनी जिले में एक सराफा व्यापारी के मकान में आग लगने से छह लोगों की मौत हो गई। इनमें 16 वर्षीय किशोर भी शामिल है। महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में किराने की दुकान के ऊपर बने मकान में आग लगने से एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। मुंबई के लोखंडवाला क्षेत्र में आग की एक अन्य घटना में एक व्यक्ति की जान चली गई। राजस्थान के पाली में पटाखों की दुकान में लगी आग ने भी भारी तबाही मचाई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग लापता बताए गए हैं। आग की चपेट में तीन दुकानें और कई दोपहिया वाहन भी आ गए। राजधानी दिल्ली के नरेला क्षेत्र में रॉकेट पटाखा पेट में लगने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के बांदा में कबाड़ की दुकान में आग लगने से करीब 20 से 25 लाख रुपये का नुकसान हुआ। पुणे में आग लगने की 63 घटनाएं सामने आईं, हालांकि वहां किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली। जम्मू के नेहरू बाजार में आग से 12 से अधिक दुकानें जल गईं। नागपुर में दोपहिया वाहन के एक बड़े शोरूम में आग लगने से कई वाहन जलकर नष्ट हो गए। मुंबई के डोंगरी इलाके में आग से कई दुकानें और झुग्गियां प्रभावित हुईं। वहीं, दादर के कामगार स्टेडियम में लगी आग पर दमकलकर्मियों ने 17 मिनट में काबू पा लिया। महाराष्ट्र के ठाणे में 17 मंजिला इमारत में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई, हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इसके अलावा असम के जोनाई, पुणे के वडगांव शेरी, मुंबई के विद्याविहार, सिक्किम के गंगटोक स्थित सरकारी आवास और गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में भी आग की घटनाएं सामने आईं। लगातार हुई इन घटनाओं के बाद दमकल विभाग और पुलिस की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं।

जशपुर में मासूम की नृशंस हत्या: शरीर से अंग निकालकर बाल्टी में रखे, जल्दी अमीर बनने की सनक में रची खौफनाक साजिश, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

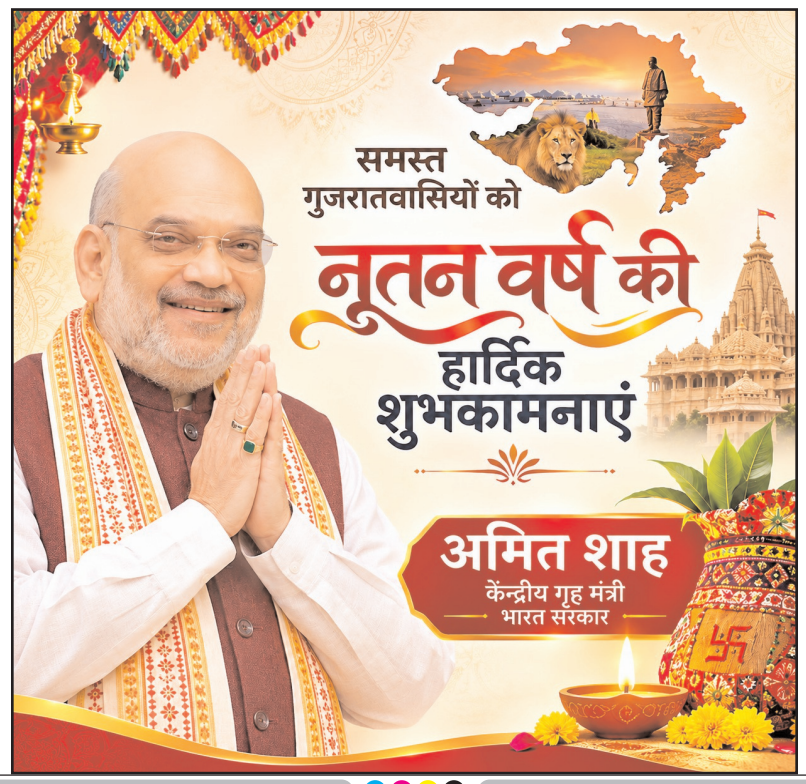
जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में मानवता को झकझोर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां चार-पांच वर्षीय मासूम जितेन्द्र राम की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी बासुदेव उर्फ टंगनू ने बच्चे को बहलाकर अपने साथ ले जाने के बाद उसे शराब पिलाई। बच्चा सो गया तो आरोपी ने चाकू से उसका गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद उसके शरीर से कथित तौर पर गुर्दे, फेफड़े और आंखें निकालकर प्लास्टिक की बाल्टी में रख दिए। मामला सन्ना थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने जांच के दौरान आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मजदूरी से मिलने वाली रकम से संतुष्ट नहीं था और कम समय में अधिक पैसा कमाना चाहता था। इसी लालच में वह सामाजिक माध्यमों पर कमाई के अलग-अलग तरीके खोजता रहता था। पुलिस के मुताबिक, इसी दौरान उसके मन में बच्चों के शरीर के अंग निकालकर बेचने का विचार आया और उसने इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया।

पश्चिम बंगाल में 12 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म और हत्या का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में ढेर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में 12 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी दिलीप रॉय की सोमवार तड़के पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, रायगंज के परापुकुर गांव में आरोपी को पकड़ने के लिए छापेमारी की गई थी। इस दौरान आरोपी ने पुलिस दल पर गोली चला दी। गोली पुलिस वाहन के टायर में लगी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली से आरोपी घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस पिछले चार दिनों से आरोपी की तलाश कर रही थी। सोमवार तड़के करीब दो बजे पुलिस को सूचना मिली कि वह बिहार सीमा के पास छिपा हुआ है। इसके बाद परापुकुर इलाके में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस के मुताबिक, झारखंड का रहने वाला दिलीप रॉय बिहार के रास्ते पश्चिम बंगाल से फरार होने की कोशिश कर रहा था। परिजनों के अनुसार, बच्ची 3 नवंबर को साइकिल लेकर घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद 5 नवंबर को कुलिक नदी के पास जंगल में उसका शव मिला। परिवार ने बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या किए जाने का आरोप लगाया था। पुलिस के अनुसार, आरोपी दिलीप रॉय बच्ची का रिश्तेदार था। वह उसे नदी दिखाने के बहाने जंगल में ले गया था। आरोप है कि वहीं उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी और इसके बाद फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी थी। राज्य मंत्री दिलीप घोष ने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कानून तोड़ने वालों को पुलिस का सामना करना पड़ेगा। बताया गया है कि मई में भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य में पुलिस मुठभेड़ में किसी आरोपी की मौत का यह चौथा मामला है। इससे पहले भी अपराध स्थल पर घटना का पुनर्निर्माण कराने के दौरान पुलिस का हथियार छीनकर गोली चलाने वाले आरोपियों की मौत की घटनाएं सामने आई थीं। पश्चिम बंगाल में अपराध के आंकड़ों को लेकर भी राजनीतिक बहस तेज है। सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो के आंकड़ों में 1 मई से 24 सितंबर के बीच दुष्कर्म के 2,454 मामले दर्ज किए गए।







माधापार में विदेशी शराब के बड़े भंडार का पर्दाफाश, 32.63 लाख की शराब सहित 74.13 लाख का सामान जब्त



महानगर मेट्रो ब्यूरो

कच्छ। गुजरात राज्य निगरानी प्रकोष्ठ ने दिवाली से पहले शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भुज तालुका के माधापार क्षेत्र में विदेशी शराब के एक बड़े भंडार का पर्दाफाश किया है। पुलिस महानिदेशक एवं मुख्य पुलिस अधिकारी जी.एस. मलिक के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई में 311 पेटियों में रखी भारत निर्मित विदेशी शराब और बीयर की कुल 8,343 बोतलें जब्त की गईं। जब्त शराब की कीमत 32,63,012 रुपये आंकी गई है। कार्रवाई माधापार पुलिस थाना क्षेत्र के नववास स्थित पार्श्वनाथ सोसाइटी में की गई। पुलिस उपनिरीक्षक के.डी. रवैया और उनकी टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर मौके पर छापा मारा। तलाशी के दौरान शराब के अलावा तस्करी में इस्तेमाल की जाने वाली सात संदिग्ध गाड़ियां, नौ मोबाइल फोन और नकदी सहित कुल 74,13,688 रुपये का सामान जब्त किया गया। पुलिस ने मौके से हरीशकुमार श्यामवीरसिंह जाट, हरदीपसिंह प्रवीणसिंह झाला, विश्वराजसिंह भीखुभा जडेजा और अनिलसिंह लखुभा जडेजा को गिरफ्तार किया है। मामले के मुख्य आरोपी कुलदीपसिंह नटुभा वाघेला सहित कुल 16 आरोपियों को फरार घोषित किया गया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर शराब तस्करी के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

धर्म के मंच से महिलाओं के सम्मान पर चोट, कथावाचकों की भाषा और मर्यादा पर उठे गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। धर्म, अध्यात्म और संस्कृति का प्रचार करने के लिए प्रतिष्ठित व्यासपीठ से यदि महिलाओं के प्रति अभद्र और अपमानजनक टिप्पणियां की जाती हैं, तो यह समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। कथावाचकों और धार्मिक वक्ताओं के शब्दों का लाखों लोगों पर प्रभाव पड़ता है। ऐसे में उनके द्वारा सार्वजनिक मंचों से कही गई प्रत्येक बात सामाजिक सोच और नई पीढ़ी के विचारों को प्रभावित करती है। भारतीय सनातन परंपरा में महिलाओं को सम्मानजनक स्थान दिया गया है। शास्त्रों में कहा गया है, 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः' अर्थात जहां महिलाओं का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। इसके बावजूद यदि कुछ धार्मिक वक्ता लोकप्रियता हासिल करने या लोगों का मनोरंजन करने के नाम पर महिलाओं के चरित्र और गरिमा को निशाना बनाते हैं, तो उनके वक्तव्यों की मर्यादा पर सवाल उठना स्वाभाविक है। धार्मिक मंचों से निकलने वाले संदेशों को बच्चे, युवा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु सुनते हैं। ऐसे में महिलाओं के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग समाज में गलत धारणाओं को बढ़ावा दे सकता है। धर्म का उद्देश्य सद्भाव, नैतिकता, करुणा और सम्मान की भावना विकसित करना है, न कि किसी वर्ग की गरिमा को ठेस पहुंचाना। धार्मिक कथावाचन के साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। इसलिए धार्मिक आयोजकों, सामाजिक संस्थाओं और जागरूक नागरिकों को ऐसे बयानों पर सवाल उठाने चाहिए। कथावाचकों को भी समझना होगा कि व्यासपीठ केवल लोकप्रियता हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देने की जिम्मेदारी वाला मंच है। महिलाओं के सम्मान और सामाजिक मर्यादा से समझौता किए बिना ही धर्म और संस्कृति का वास्तविक संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है।

आदिवासियों और किसानों के मुद्दे पर अर्जुन राठवा का भाजपा सरकार पर हमला, बोले- घोटालेबाजों और दलालों के हित साध रही सरकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आदिवासियों और किसानों के हितों को लेकर गुजरात में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। आदिवासी नेता अर्जुन राठवा ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार किसानों और आदिवासियों के कल्याण के नाम पर केवल दिखावा कर रही है, जबकि वास्तविकता में भ्रष्ट व्यापारियों और बिचौलियों के हितों को संरक्षण दिया जा रहा है। राठवा ने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष और विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अंग्रेजी शासन के दौरान जमीन पर कब्जा करने वाले शोषकों और आदिवासियों के अधिकारों का हनन करने वालों के खिलाफ संघर्ष किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार की नीतियां भी आदिवासी समुदाय के हितों के विपरीत हैं। राठवा ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों को लेकर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि सरकार आदिवासी गौरव के नाम पर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रही है। उन्होंने छोटा उदेपुर जिले के राजनीतिक और प्रशासनिक हालात पर टिप्पणी करते हुए कहा कि गांधीनगर में तैयार होने वाली राजनीतिक रणनीतियों को स्थानीय स्तर पर भाजपा नेता आगे बढ़ा रहे हैं। उनके अनुसार सरकारी नीतियों के कारण आम नागरिक, मजदूर और मेहनतकश किसान परेशान हैं, जबकि भ्रष्ट व्यापारियों और बिचौलियों को लाभ मिल रहा है। राठवा ने भाजपा नेतृत्व को चुनौती देते हुए कहा कि उनके द्वारा उठाए जा रहे जनहित के सवालों से स्थानीय नेताओं में बेचैनी है। राठवा ने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष और विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अंग्रेजी शासन के दौरान जमीन पर कब्जा करने वाले शोषकों और आदिवासियों के अधिकारों का हनन करने वालों के खिलाफ संघर्ष किया था।

पूर्व विधायक हिम्मतसिंह पटेल के 'सूरज भवन' पर उमड़ा शुभचिंतकों का सैलाब, नववर्ष की दी शुभकामनाएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। बापूनगर के पूर्व विधायक एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हिम्मतसिंह पटेल के रखियाल स्थित आवास 'सूरज भवन' पर दीपावली और नववर्ष के अवसर पर शुभकामनाओं का सिलसिला देखने को मिला। हर वर्ष की परंपरा के अनुसार आयोजित इस मिलन समारोह में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, शुभचिंतक, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और क्षेत्र के नागरिक पहुंचे। कार्यक्रम में हिम्मतसिंह पटेल ने सभी आगंतुकों का गर्मजोशी से स्वागत किया और नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उपस्थित लोगों का मुंह मीठा कराकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर कांग्रेस के विभिन्न पदाधिकारियों के साथ सहकारी क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि, अलग-अलग सामाजिक संगठनों के सदस्य तथा रखियाल और बापूनगर क्षेत्र के नागरिक भी मौजूद रहे। समारोह के दौरान लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली और नववर्ष की बधाई दी तथा सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। 'सूरज भवन' में आयोजित इस मिलन समारोह ने राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को एक साथ आने का अवसर दिया।

आस्था के नाम पर काला धंधा या कोई भयानक साज़िश? मंदसौर से पालीताना तक धार्मिक दुनिया में भूचाल

सागर चंद्र सागर विवाद ने करोड़ों के दान वाले ट्रस्टों के काले राज़ खोल दिए हैं!

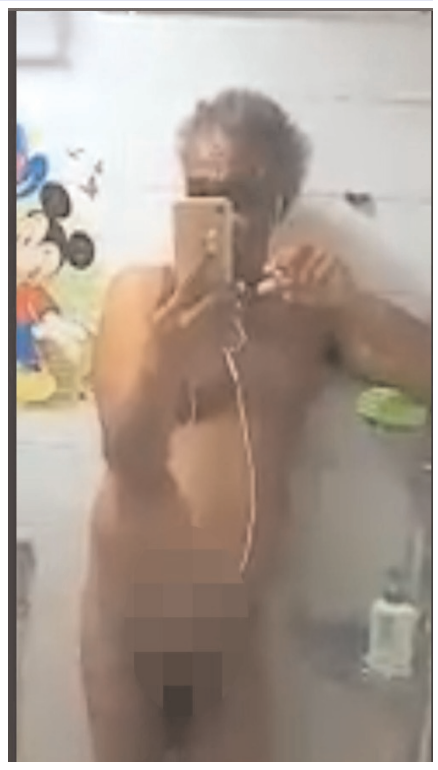
आस्था या अंधकूप? मंदसौर से पालिताना तक भड़का धर्म का बवंडर!

महनगर मेट्रो का बड़ा खुलासा

वायरल चैट और वीडियो ने खोली पोल; जैन मुनि पर महिलाओं के शोषण के गंभीर आरोपों से मचा बवंडर! जवाबदेही की मांग तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन





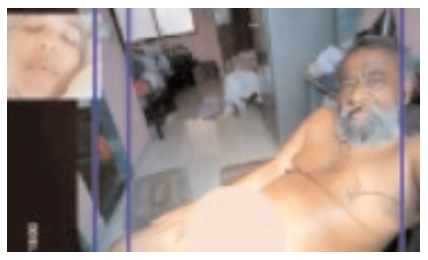
मंदसौर/पालिताना/अहमदाबाद। जैन धर्म की उस महान परंपरा को शर्मसार करने वाला एक बहुत ही काला और चौंकाने वाला विवाद, जिसे भगवान महावीर स्वामी ने अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और परम पवित्रता के पवित्र मार्ग पर स्थापित किया था, आज पूरे देश में आग की तरह फैल गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए कथित व्हाट्सअप चैट, ऑडियो रिकॉर्डिंग और तस्वीरों ने पूरे जैन समाज और धार्मिक दुनिया में भूचाल ला दिया है। मामला अब निजी चरित्र या आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहा, बल्कि साधु जीवन की पवित्र मर्यादाओं, करोड़ों रुपये के धार्मिक चढ़ावे और ट्रस्टियों के भ्रष्ट कामकाज के खिलाफ जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है!

साधु जीवन की सीमाओं पर रेड लाइट: वायरल चैट और ऑडियो से हंगामा

साधु जीवन का मतलब है भौतिक सुख-सुविधाओं और भ्रम से परे जाकर साधना और आत्मा के कल्याण का सबसे ऊंचा रास्ता। लेकिन जब इस रास्ते पर चलने का दावा करने वालों पर गंभीर और शर्मनाक आरोप लगते हैं, तो समाज का कांपना स्वाभाविक है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कंटेंट में कुछ महिलाओं और साधुओं के साथ कथित गलत रिश्तों और मेलजोल के बारे में जो बातें सामने आई हैं, उन्होंने सभी को हैरान कर दिया है। आज जैन समुदाय और जागरूक नागरिकों के मन में यह सवाल है कि क्या इस वायरल कंटेंट में कोई कड़वी सच्चाई छिपी है या इस डिजिटल युग में किसी की इज्जत खराब करने की कोई खतरनाक साजिश रची जा रही है? अगर आरोप झूठे हैं, तो हमें आगे आकर केस करना होगा, और अगर कहानियों में सच्चाई है, तो इतनी बड़ी शर्मिंदगी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में देरी क्यों हो रही है?

डिजिटल फोरेंसिक जांच ज़रूरी है: सच या साज़िश का पर्दाफ़ाश होना ही चाहिए

आजकल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मॉर्फिंग टेक्नोलॉजी के इस ज़माने में, कोई भी नकली चैट या ऑडियो क्लिप बनाना नामुमकिन नहीं है। इसलिए यह बहुत ज़रूरी है कि इस पूरे मामले की बिना किसी भेदभाव के हाई-लेवल और इंडिपेंडेंट डिजिटल फोरेंसिक एजेंसियों से पूरी जांच हो: इन वायरल चैट और ऑडियो का असली सोर्स कहाँ है? रिकॉर्डिंग में किसकी आवाज़ें सुनाई दे रही हैं? क्या यह किसी धार्मिक नाराज़ ग्रुप या दुश्मनों की कोई बड़ी चाल है? समाज अब सिर्फ़ गोलमोल बातें या सिर्फ़ भरोसा दिलाने वाले बयान सुनने को तैयार नहीं है; जनता अब पक्के और साफ़ सबूतों के साथ सीधे जवाब मांग रही है! करोड़ों का चढ़ावा और फैला भ्रष्टाचार: इतनी बड़ी रकम का हिसाब कौन देगा? जैन मंदिरों, तीर्थ स्थलों और बड़े धार्मिक संस्थानों में, भोले-भाले और भक्त अपनी मेहनत की कमाई से करोड़ों रुपये दान करते हैं। लेकिन क्या यह बड़ी दौलत असल में धार्मिक और दान के कामों के लिए इस्तेमाल होती है



या पदाधिकारियों और ट्रस्टियों के निजी खजाने भरने के लिए? यह सवाल अब एक तीखा मोड़ ले चुका है:इंडिपेंडेंट ऑडिट की मांग: धार्मिक ट्रस्टों की इनकम और खर्च का किसी सरकार या इंडिपेंडेंट चार्टर्ड अकाउंटेंट एजेंसी से सख्त ऑडिट क्यों नहीं होता? बैंक अकाउंट्स और एसेट्स की जांच: क्या इस बात का कोई हिसाब है कि बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन और प्रॉपर्टी खरीदने के लिए किस ब्लैक मनी का इस्तेमाल किया जाता है? ऑफिस बियरर्स का संदिग्ध रोल: अभय चोपड़ा जैसे मीडिया कोऑर्डिनेटर्स और दूसरे ट्रस्टियों की संदिग्ध हरकतों की जांच क्यों नहीं होती? भक्तों का दिया गया डोनेशन किसी के पुरखों की जागीर नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था की पवित्र अमानत है! इस अमानत के हर पैसे का हिसाब होना चाहिए।

जैन कम्युनिटी का गुस्सा: लेक्चर के सख्त बॉयकॉट की धमकी!

जैन कम्युनिटी के कई जागरूक लोग खुलकर सामने आए हैं और उन्होंने मंदसौर में सागर चंद्र सागर के आने वाले लेक्चर और धार्मिक प्रोग्राम के खिलाफ सख्त बॉयकॉट की धमकी दी है। सोसाइटी का साफ मानना ??है कि जब तक यह मामला सुलझ नहीं जाता, तब तक किसी को भी ऐसे विवादित इवेंट करके धर्म की सीमाओं से खेलने का हक नहीं है। यह कोई आम या मामूली झगड़ा नहीं है, बल्कि धर्म पर सीधा प्रहार है। अगर प्रशासन, पुलिस और धार्मिक संस्थाएं इस गंभीर मामले को अनदेखा करती हैं, तो गुस्से की यह आग पूरे गुजरात और देश में फैलने में ज़्यादा समय नहीं लगेगा। अब समय आ गया है कि पद, इज़्ज़त और चेहरा छिपाने की पॉलिसी को पीछे छोड़कर सच्चाई को नंगी सच्चाई के साथ जनता के सामने रखा जाए!

खनिज चोरी के मामले में जब्त वाहन छोड़ने के बदले 70 हजार की रिश्वत लेते प्रधान आरक्षक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



गुजरात। गुजरात में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रिश्वतखोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए खनिज चोरी के मामले में जब्त वाहनों को छोड़ने और कानूनी कार्रवाई से बचाने के बदले 70 हजार रुपये की रिश्वत लेने वाले एक प्रधान आरक्षक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, खनिज चोरी के मामले में जब्त वाहनों को छुड़ाने के लिए आरोपी प्रधान आरक्षक ने शिकायतकर्ता से 70 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। रिश्वत देने के इच्छुक नहीं होने पर शिकायतकर्ता ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की पुष्टि के बाद ब्यूरो की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया। निर्धारित कार्रवाई के दौरान आरोपी प्रधान आरक्षक को शिकायतकर्ता से 70 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। ब्यूरो अब इस बात की भी जांच कर रहा है कि रिश्वतखोरी के इस मामले में अन्य पुलिसकर्मियों या वरिष्ठ अधिकारियों की कोई भूमिका तो नहीं है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। वहीं, घटना ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिवाली के दौरान बदमाशों के हौसले बुलंद, मीडियाकर्मी का मोबाइल छीनकर फरार हुए तीन लुटेरे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। दिवाली के दौरान शहर में मोबाइल लुटेरों की सक्रियता बढ़ती नजर आ रही है। खम्हारडीह थाना क्षेत्र में बाइक सवार तीन बदमाश एक मीडियाकर्मी का मोबाइल छीनकर फरार हो गए। घटना उस समय हुई, जब मीडियाकर्मी राजेंद्र सिंह कार्यालय में अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद घर लौट रहे थे।



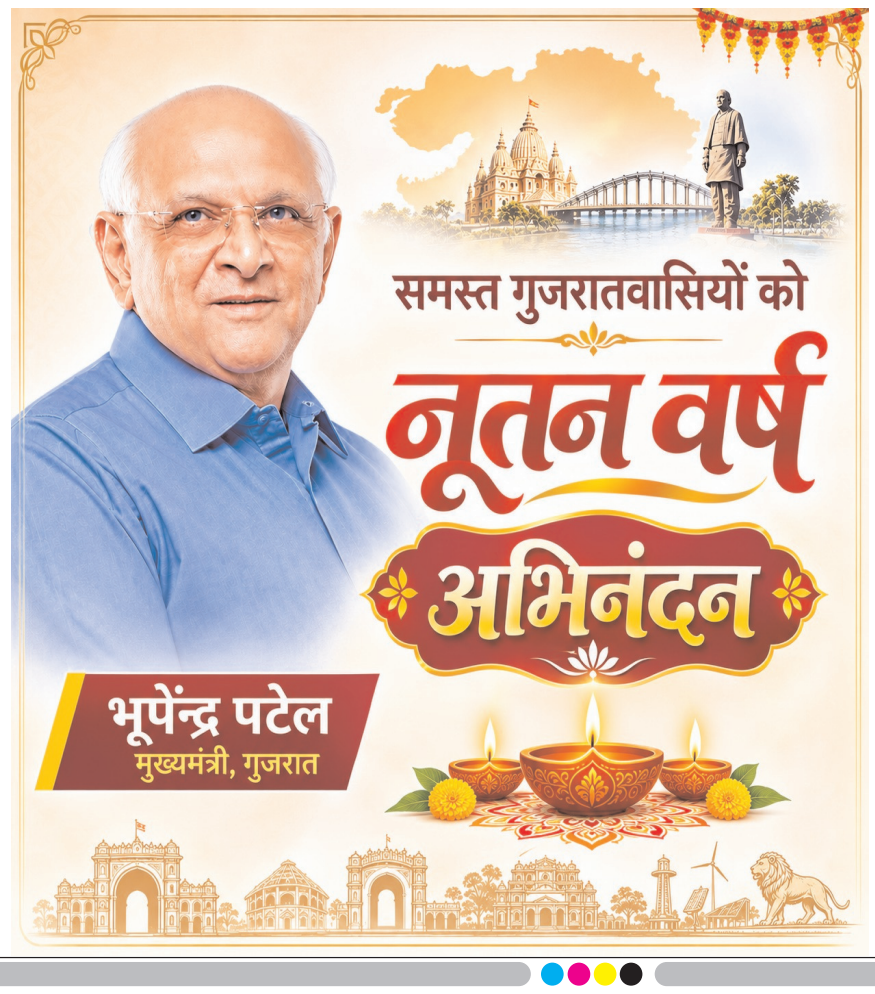
जानकारी के अनुसार, राजेंद्र सिंह ने अपने कार्यालय के पास बाइक रोकी थी और किसी से मोबाइल पर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान एक बाइक पर सवार होकर पहुंचे तीन बदमाशों ने अचानक उनके हाथ से मोबाइल छीन लिया और तेजी से फरार हो गए। अचानक हुई इस वारदात से पीड़ित को संभलने तक का मौका नहीं मिला। घटना की शिकायत मिलने के बाद खम्हारडीह पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान और उनके भागने के रास्ते का पता लगाया जा सके। फिलहाल बदमाशों का सुराग नहीं मिल पाया है। दिवाली के आसपास मोबाइल लूट की यह दूसरी घटना बताई जा रही है। इससे पहले 4 नवंबर की रात मुजगहन थाना क्षेत्र में बाइक सवार दो बदमाशों ने स्कूटी से जा रही एक विमान परिचारिका का महंगा मोबाइल फोन छीन लिया था। उस घटना में भी आरोपी वारदात के बाद फरार हो गए थे। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने त्योहार के दौरान शहर की सुरक्षा व्यवस्था और सड़कों पर पुलिस निगरानी को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

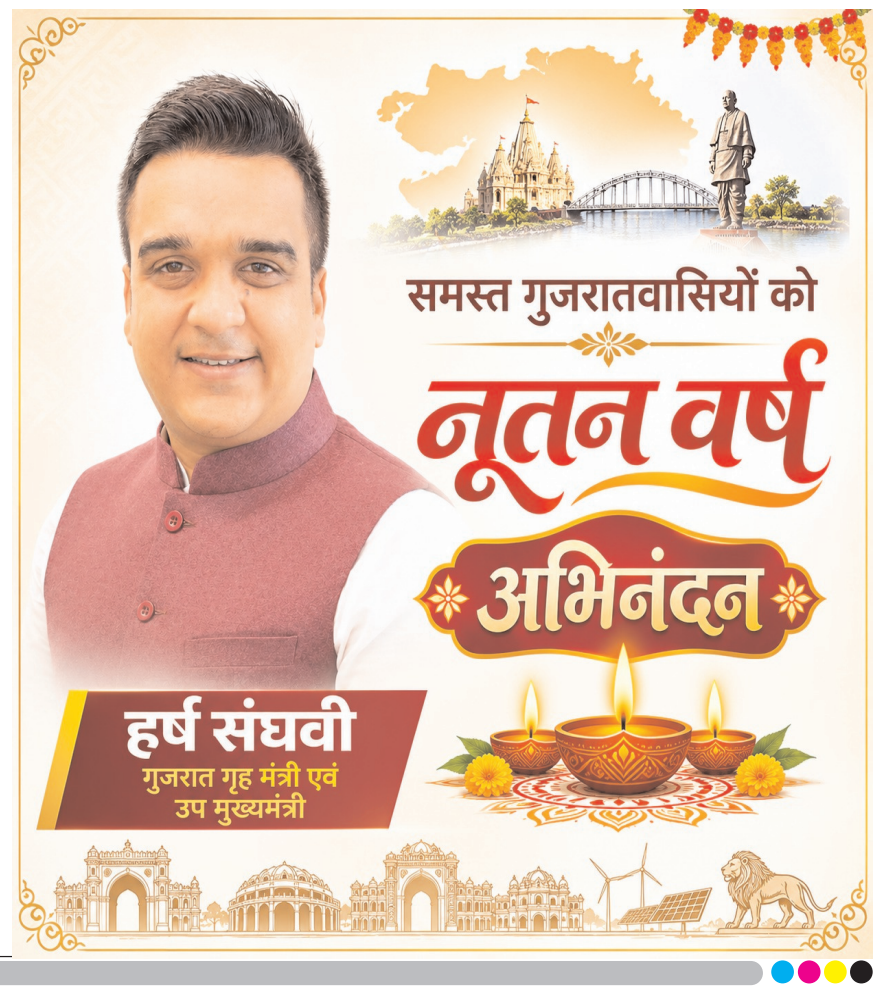
सौराष्ट्र में बेमौसम बारिश से किसानों पर टूटा कहर, कपास-मूंगफली और गन्ने की फसलें बर्बाद

देवभूमि द्वारका के भाटिया सहित गिर सोमनाथ के कई गांवों में तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश, प्रभावित किसानों ने तत्काल सर्वे और मुआवजे की मांग की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सोमनाथ। सौराष्ट्र क्षेत्र में बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। देवभूमि द्वारका और गिर सोमनाथ जिले के कई ग्रामीण इलाकों में तेज हवाओं और गरज के साथ हुई बारिश से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है। दिवाली और फसल कटाई के मौसम से पहले हुई इस बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। देवभूमि द्वारका जिले के कल्याणपुर तालुका के भाटिया और आसपास के गांवों में अचानक मौसम बदलने के बाद तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। इससे खेतों में तैयार खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। वहीं, गिर सोमनाथ जिले के गिर गढ़डा, ऊना और कोडिनार क्षेत्रों में भी बारिश का असर देखने को मिला। विशेष रूप से फतसर और खिलावड़ गांवों में करीब आधे घंटे तक हुई तेज बारिश और तूफानी हवाओं से खेतों में पानी भर गया। बारिश से कपास, मूंगफली और गन्ने की फसलों को नुकसान पहुंचा है। खेतों में पानी भरने से कटाई के लिए तैयार मूंगफली के खराब होने की आशंका है, जबकि तेज हवाओं के कारण कपास और गन्ने की खड़ी फसलें भी प्रभावित हुई हैं। किसानों का कहना है कि बीज, खाद और कीटनाशकों पर भारी खर्च करने के बाद तैयार हुई फसल को बारिश ने नुकसान पहुंचाया है। प्रभावित किसानों ने प्रशासन से जल्द नुकसान का सर्वेक्षण करवाने और उचित आर्थिक सहायता देने की मांग की है, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से राहत मिल सके।





13 नवंबर 2026 को दुनिया खत्म होने की भविष्यवाणी फिर चर्चा में, 1960 के वैज्ञानिक शोध से जुड़ा है मामला

गणितीय मॉडल के आधार पर हाइन्ज़ वॉन फोर्स्टर ने जताई थी अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि की आशंका, विशेषज्ञों के अनुसार यह वास्तविक प्रलय की तारीख नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दुनिया के अंत को लेकर 1960 में की गई एक पुरानी वैज्ञानिक गणना एक बार फिर चर्चा में है। इस गणना में 13 नवंबर 2026 को ऐसी तारीख बताया गया था, जब अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि के कारण मानव आबादी गणितीय रूप से अनंत तक पहुंच सकती थी। हालांकि, वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया है कि यह दुनिया के वास्तविक अंत की भविष्यवाणी नहीं, बल्कि जनसंख्या वृद्धि पर आधारित एक गणितीय मॉडल था। यह अध्ययन भौतिक विज्ञानी और गणितज्ञ हाइन्ज़ वॉन फोर्स्टर तथा उनके सहयोगियों ने वर्ष 1960 में



किया था। उनका शोध प्रतिष्ठित विज्ञान पत्रिका में प्रकाशित हुआ था, जिसका शीर्षक था 'डूम्सडेः फ्राइडे, 13 नवंबर, एडी 2026'। शोधकर्ताओं ने पिछले करीब दो हजार वर्षों के जनसंख्या आंकड़ों का गणितीय विश्लेषण करते हुए बताया था कि यदि उस समय की जनसंख्या वृद्धि की दर लगातार बनी रहती है, तो भविष्य में आबादी असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इस मॉडल के अनुसार 13 नवंबर 2026 को जनसंख्या का गणितीय मान अनंत होने की स्थिति बनती। शोधकर्ताओं ने इस स्थिति को व्यंग्यात्मक अंदाज में मानवता के लिए गंभीर चेतावनी के रूप में प्रस्तुत किया था। हालांकि, बाद के दशकों में दुनिया की जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार में बदलाव आया है। जन्म दर में गिरावट, परिवार नियोजन और सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों में परिवर्तन के कारण पुराने मॉडल की धारणाएं वास्तविकता से मेल नहीं खातीं। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तारीख का संबंध पृथ्वी के विनाश या मानव सभ्यता के अंत से नहीं है। यह शोध मुख्य रूप से अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि और सीमित प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव के प्रति चेतावनी देता है। इसलिए इस भविष्यवाणी से घबराने के बजाय इसे जनसंख्या संतुलन और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग पर विचार करने के अवसर के रूप में देखना चाहिए।

वडोदरा में एसएसजी अस्पताल के सामने सैलून की दुकान में भीषण आग, इलाके में मची अफरा-तफरी

सलातवाड़ा के दिवाली चौक पर दुकान के ऊपरी हिस्से में लगी आग, दमकलकर्मियों ने समय रहते पाया काबू, कोई जनहानि नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर के सलातवाड़ा क्षेत्र में एसएसजी अस्पताल के सामने स्थित दिवाली चौक पर एक सैलून की दुकान के ऊपरी हिस्से में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार उठता देख आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। अस्पताल के सामने व्यस्त इलाके में आग लगने से वहां मौजूद मरीजों और उनके परिजनों में भी चिंता फैल गई। जानकारी के अनुसार, सैलून की दुकान के ऊपरी हिस्से में अचानक आग भड़क उठी। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। घटना की सूचना मिलते ही वडोदरा दमकल विभाग की टीम अग्निशमन वाहनों के साथ मौके पर पहुंची और पानी की बौछार कर आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकलकर्मियों की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया और उसे आसपास की दुकानों तथा इमारतों तक फैलने से रोक दिया गया। आग की चपेट में आने से दुकान के ऊपरी हिस्से में रखा सामान और ढांचे को नुकसान पहुंचा है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। इस घटना के बाद व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था और बिजली के उपकरणों की नियमित जांच की आवश्यकता एक बार फिर सामने आई है।

भाई की देखभाल के लिए शीतल मोदी ने छोड़ी बैंक की नौकरी, नहीं की शादी; बहन से बढ़कर बनीं मां

वडोदरा की 51 वर्षीय शीतल मोदी ने दिव्यांग भाई अश्विनभाई के लिए समर्पित किया जीवन, घर में ही सौंदर्य केंद्र चलाकर उठा रहीं जिम्मेदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



वडोदरा। भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम और समर्पण की अनूठी मिसाल वडोदरा की शीतल मोदी ने पेश की है। 51 वर्षीय शीतल मोदी ने अपने 48 वर्षीय दिव्यांग भाई अश्विनभाई की देखभाल के लिए न केवल अपनी बैंक की नौकरी छोड़ दी, बल्कि विवाह नहीं करने का निर्णय लेकर अपना पूरा जीवन उनकी सेवा के लिए समर्पित कर दिया। जानकारी के अनुसार, अश्विनभाई मानसिक रूप से दिव्यांग हैं और उन्हें निरंतर देखभाल की आवश्यकता है। माता-पिता के निधन के बाद उनकी जिम्मेदारी शीतल मोदी ने संभाली। भाई के भविष्य और उनकी देखभाल को प्राथमिकता देते हुए शीतल मोदी ने अपनी नौकरी छोड़ने का निर्णय लिया, ताकि अश्विनभाई को अकेलापन महसूस न हो और उनकी जरूरतों का ध्यान रखा जा सके। आर्थिक आत्मनिर्भरता बनाए रखने के लिए उन्होंने घर पर ही छोटा सा सौंदर्य केंद्र शुरू किया। इसके माध्यम से वे अपनी आजीविका चलाती हैं और साथ ही भाई की देखभाल के लिए भी पर्याप्त समय निकालती हैं। शीतल मोदी का कहना है कि वे अपने भाई के लिए केवल बहन नहीं, बल्कि मां की तरह हैं। उन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन की इच्छाओं और सपनों से ऊपर भाई की जिम्मेदारी को रखा है। शीतल मोदी की यह कहानी पारिवारिक जिम्मेदारी, आत्मीयता और निस्वार्थ सेवा का संदेश देती है। उनका समर्पण समाज को यह याद दिलाता है कि मुश्किल परिस्थितियों में अपनों का साथ और देखभाल ही रिश्तों की असली पहचान है।

जीएसआरटीसी और नामी कंपनियों के नाम पर कारोबारी से 40.63 लाख की साइबर ठगी

फर्जी ई-मेल, सरकारी दस्तावेज और अधिकारियों की पहचान का इस्तेमाल कर टेंडर दिलाने का दिया झांसा, अलग-अलग खातों में जमा कराई रकम

महानगर मेट्रो ब्यूरो



गुजरात। साइबर ठगों ने गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम और देश की नामी कंपनियों के नाम का दुरुपयोग कर एक कारोबारी से 40.63 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने सरकारी संस्थाओं और प्रतिष्ठित कंपनियों के नाम से मिलती-जुलती फर्जी ई-मेल पहचान तैयार कर कारोबारी को बड़े टेंडर दिलाने का झांसा दिया। जानकारी के अनुसार, ठगों ने सरकारी विभागों और नामी कंपनियों के अधिकारियों के नाम पर कारोबारी से संपर्क किया। विश्वास जीतने के लिए आरोपियों ने सामाजिक संदेश माध्यमों के जरिए सरकारी दस्तावेज, आधिकारिक पत्र और बैंक के चेक जैसे दिखने वाले फर्जी दस्तावेज भी भेजे। इससे कारोबारी को पूरी प्रक्रिया वास्तविक होने का भरोसा हो गया। इसके बाद आरोपियों ने टेंडर प्रक्रिया, जमानत राशि और अन्य शुल्क के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में कुल 40,63,000 रुपये जमा करवा लिए। काफी समय बाद जब कारोबारी को ठगी का अहसास हुआ, तब मामले का खुलासा हुआ। इस घटना ने सरकारी संस्थाओं के नाम पर चल रहे साइबर अपराधों और फर्जी निविदा प्रक्रियाओं को लेकर चिंता बढ़ा दी है। ऐसे मामलों में कारोबारियों को किसी भी निविदा के लिए भुगतान करने से पहले संबंधित विभाग की आधिकारिक वेबसाइट और कार्यालय से जानकारी की पुष्टि करनी चाहिए। साथ ही, किसी भी अनजान खाते में रकम जमा करने से बचना चाहिए। मामले में जांच की जानकारी सामने आई है, हालांकि आरोपियों की गिरफ्तारी और उनकी पहचान को लेकर विस्तृत विवरण उपलब्ध नहीं है।

भाजपा के 'सबका साथ, सबका विकास' दावे के बीच सरकारी योजनाओं में मुस्लिम लाभार्थियों के आंकड़ों पर बहस

आवास योजना में 31', उज्ज्वला में 37' और मुद्रा योजना में 31' लाभार्थियों के मुस्लिम होने का दावा, कल्याणकारी योजनाओं के वितरण को लेकर राजनीतिक चर्चा तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय राजनीति में हिंदुत्व और विकास के मुद्दों के बीच सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। भाजपा नेताओं की ओर से दावा किया जा रहा है कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ बिना किसी धार्मिक भेदभाव के सभी पात्र नागरिकों तक पहुंचाया जा रहा है। इसी संदर्भ में मुस्लिम समुदाय के लाभार्थियों से जुड़े कुछ आंकड़े भी प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इन दावों के अनुसार, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वितरित कुल आवासों में करीब 31 प्रतिशत मुस्लिम परिवारों को मिले हैं। वहीं, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में अल्पसंख्यक लाभार्थियों की हिस्सेदारी लगभग 33 प्रतिशत और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में मुस्लिम लाभार्थियों की हिस्सेदारी करीब 37 प्रतिशत बताई जा रही है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत दिए गए ऋणों में मुस्लिम लाभार्थियों की हिस्सेदारी 31 प्रतिशत होने का दावा किया गया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि सरकारी योजनाओं का लाभ धर्म और जाति के आधार पर नहीं, बल्कि पात्रता और आर्थिक जरूरत के अनुसार दिया जाता है। पार्टी इसे बिना भेदभाव विकास की नीति और 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प से जोड़ रही है। वहीं, विपक्ष और राजनीतिक विश्लेषकों की ओर से इन आंकड़ों की प्रमाणिकता, लाभार्थियों की वास्तविक स्थिति और विभिन्न समुदायों तक योजनाओं की पहुंच को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। इन आंकड़ों का आकलन करते समय यह देखना भी जरूरी है कि अलग-अलग योजनाओं में लाभार्थियों की परिभाषा और पात्रता के मानदंड क्या हैं। फिलहाल, सरकारी योजनाओं के वितरण और सामाजिक समावेशन का मुद्दा राजनीतिक चर्चा के केंद्र में है। हालांकि, प्रस्तुत प्रतिशत के आधिकारिक स्रोत और उनकी गणना का आधार स्पष्ट होना आवश्यक है।

थलतेज की मैग्नेट पार्क इमारत में भीषण आग, जान बचाने के लिए खिड़कियों से कूदे कर्मचारी

धुएं से घिरी इमारत में कई लोग फंसे, दमकल विभाग ने हाइड्रोलिक सीढ़ी की मदद से सभी को सुरक्षित बाहर निकाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। शहर के थलतेज क्षेत्र स्थित मैग्नेट पार्क इमारत में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग के साथ उठे घने धुएं ने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे अंदर काम कर रहे कर्मचारियों में दहशत फैल गई। कई कर्मचारी इमारत के भीतर फंस गए और बाहर निकलने के रास्ते धुएं से प्रभावित हो गए। जानकारी के अनुसार, इमारत में अचानक आग लगने के बाद कुछ ही समय में धुआं ऊपरी मंजिलों तक फैल गया। जान बचाने के लिए कुछ कर्मचारियों ने खिड़कियों से नीचे कूदने का प्रयास किया, जबकि कुछ लोग छत और रेलिंग पर फंसकर मदद का इंतजार करने लगे। घटना की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने हाइड्रोलिक सीढ़ी और बचाव उपकरणों की मदद से राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद खिड़कियों और छत पर फंसे कर्मचारियों को सुरक्षित नीचे उतारा गया। समय रहते चलाए गए बचाव अभियान से बड़ा हादसा टल गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। इस घटना ने एक बार फिर बहुमंजिला व्यावसायिक इमारतों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, आपातकालीन निकास और बचाव इंतजामों की पर्याप्तता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

फुटपाथ पर सो रहे लोगों पर कहर बनकर चढ़ी बेकाबू फॉर्च्यूनर, महिला और नाबालिग की मौत

देवस्या स्कूल के पास देर रात हुआ भीषण हादसा, तेज रफ्तार कार ने कई लोगों को कुचला; एक घायल की हालत गंभीर, लापरवाही से वाहन चलाने पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। शहर के निकोल इलाके में सोमवार रात तेज रफ्तार और बेकाबू फॉर्च्यूनर कार ने फुटपाथ पर सो रहे लोगों की जिंदगी उजाड़ दी। देवस्या स्कूल के पास हुए इस भीषण हादसे में एक महिला और एक नाबालिग की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। सड़क पर दौड़ती लग्जरी कार अचानक मौत का वाहन बन गई और फुटपाथ पर बेसहारा नींद ले रहे लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला।

जानकारी के अनुसार, हादसा निकोल क्षेत्र में नरोदा शेल्बी अस्पताल से डी-मार्ट की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर हुआ। सोमवार रात तेज रफ्तार से आ रही फॉर्च्यूनर के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद कार सीधे सड़क किनारे बने फुटपाथ पर चढ़ गई, जहां कुछ लोग सो रहे थे। बेकाबू वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े।

हादसे में घायल लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन गंभीर रूप से घायल महिला और नाबालिग को बचाया नहीं जा सका। एक अन्य घायल की हालत नाजुक बताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। वाहन चालक की भूमिका तथा दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

इस हादसे ने शहर में पैदल यात्रियों और फुटपाथ पर रहने वाले लोगों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर शहर की सड़कों पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण क्यों नहीं हो पा रहा है? क्या फुटपाथ पर सो रहे गरीब और बेबस लोगों की जान की सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है? सड़क पर लापरवाही से दौड़ती गाड़ियां कब तक निर्दोष लोगों की जिंदगी छीनती रहेंगी? अब निगाहें पुलिस कार्रवाई और जिम्मेदार चालक के खिलाफ होने वाली कानूनी कार्रवाई पर टिकी हैं।

कर्नाटक के सात जिलों में पेट्रोल के नमूनों में तय सीमा से अधिक इथेनॉल मिलने का दावा

कुछ नमूनों में 30 प्रतिशत से अधिक मिश्रण की बात आई सामने, ईंधन की गुणवत्ता और वाहनों के इंजन पर असर को लेकर बढ़ी चिंता

महानगर मेट्रो ब्यूरो



कर्नाटक। पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर कर्नाटक में बड़ा मामला सामने आया है। राज्य सरकार के अनुसार, सात जिलों में पेट्रोल पंपों से लिए गए नमूनों की जांच में इथेनॉल की मात्रा निर्धारित मानक से अधिक पाई गई। कुछ नमूनों में इसकी मात्रा 30 प्रतिशत से भी ज्यादा होने का दावा किया गया है। इस खुलासे के बाद पेट्रोल की गुणवत्ता और वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। केंद्र सरकार ने कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसे ई-20 ईंधन कहा जाता है। इसी व्यवस्था के तहत कर्नाटक के संबंधित विभाग ने सात जिलों में विशेष जांच अभियान चलाकर पेट्रोल के नमूने एकत्र किए और उन्हें प्रयोगशालाओं में जांच के लिए भेजा। जांच में निर्धारित सीमा से अधिक इथेनॉल मिलने की बात सामने आई। विशेषज्ञों के अनुसार, निर्धारित मानक से अधिक इथेनॉल मिश्रण वाहन के इंजन और ईंधन प्रणाली को प्रभावित कर सकता है। इससे माइलेज में कमी, ईंधन पाइप और अन्य उपकरणों में खराबी तथा मरम्मत का खर्च बढ़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि, इसका वास्तविक प्रभाव वाहन के इंजन और उसकी ईंधन संबंधी तकनीकी क्षमता पर निर्भर करता है। इस मामले ने पेट्रोल की गुणवत्ता की नियमित निगरानी और उपभोक्ताओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप ईंधन उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब संबंधित विभाग की जांच और आगे की कार्रवाई पर नजर रहेगी।



नीम करौली बाबा ने कहा-मेरे कहे बिना वापस नहीं जाओगा:3 दिन का रहस्य आज तक अनसुलझा, जानें- 95 साल के देवकीनंदन के साथ क्या हुआ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर उत्तराखंड के प्रसिद्ध कैंची धाम में नीम करौली बाबा के साथ 8 साल रहने वाले जोधपुर के देवकीनंदन (95) का कहना है कि बाबा ने मुझे देखते ही कह दिया था कि आप आबूरोड से आए हैं। फिर कहा कि अब तुम मेरे कहे बिना आबूरोड वापस नहीं जाओगे। देवकीनंदन का कहना है कि बाबा ने जो कहा वैसा ही हुआ। रेलवे में गार्ड की नौकरी के साथ बिजनेस शुरू किया। बिजनेस में अच्छी कमाई हुई। बाबा ने कहा था बिजनेस पार्टनर धोखा देखा। ऐसा ही हुआ। देवकीनंदन ने घर में रखने के लिए बाबा की खास तस्वीर बनवाई।



देवकीनंदन शर्मा ने बताया- साल 1962 में आबूरोड में रेलवे में गार्ड के पद पर तैनात था। मेरे एक दोस्त ने नीम करौली बाबा की एक फोटो दी थी। सलाह दी थी कि जब भी मन हो। एक अगरबत्ती जला लिया करना। कुछ समय बाद मैं, पत्नी और छोटे बच्चे के साथ हल्द्वानी गया। वहां से कैंची धाम पहुंचा। उस समय मंदिर का उद्घाटन हो रहा था। भक्तों की भारी भीड़ सड़क तक लगी हुई थी। मैंने भीड़ देखकर सोचा कि यहां बाबा से मिलना नामुमकिन है। मैं कॉरिडोर की सीढ़ियों पर गर्दन नीचे करके बैठ गया। पत्नी ने कहा कि ऐसे बैठे रहोगे तो दर्शन नहीं होंगे। मैंने मन ही मन जमीन की तरफ देखकर कहा- बाबा अगर आपको मिलना है तो मिलो, वरना मैं आबूरोड वापस जाता हूं। इतना सोचते ही एक ऊंची धोती पहने शख्स आया और बोला- आप आबूरोड से आए हैं? मैं हैरान रह गया कि अनजान जगह पर मुझे कोई कैसे जानता है। उस व्यक्ति ने कहा- आपको बाबा ने बुलाया है। जब मैं आगे गया तो भीड़ गायब थी। सामने बाबा बैठे थे और पीछे अंधेरा छाया हुआ था। बाबा ने मेरे दोनों हाथों से अपने पैर छुआते हुए मुस्कुराकर कहा- नाराज हो गए थे क्या, आबूरोड वापस जाना चाहते हो फिर ऐसा आशीर्वाद दिया जो जीवनभर का बंधन बन गया। बाबा ने कहा- अब तुम मेरे बिना कहे यहां से नहीं जाओगे।

देवकीनंदन ने कहा- बाबा के कहने पर रुक गए। बाबा ने हमें नदी के दूसरी तरफ एक जगह रुकने को कहा। मैं पत्नी और बच्चों के साथ तीन दिन तक रहा। मैं तीन दिन तक वहां रुका, लेकिन आज तक मुझे समझ नहीं आया कि मैं उन तीन दिनों में कैसे रहा। कैसे मैंने अपने रोजाना के कार्य किए? वह सब किसी चमत्कार से कम नहीं था। तीन दिन बीतने के बाद बाबा ने मुझे अपनी पूरी जिंदगी का सफर समझाया। मैं उस समय अपने करियर को लेकर काफी असमंजस में था। कई नौकरियां छोड़ चुका था। तुम क्या चाहते हो? देवकीनंदन ने जवाब दिया- मुझे फॉरेस्ट फील्ड में ठेकेदार बनना है। बाबा ने मुस्कुराते हुए कहा, तुम्हारी नौकरी अच्छी चलेगी, ठेकेदार भी बन जाओगे। लेकिन मुझसे एक वादा करो कि तुम मुझे कभी भूलोगे नहीं। देवकीनंदन ने वचन दे दिया। बाबा ने मुझे दो साल तक पार्टनरशिप में काम करने और उसके बाद अकेले काम करने की सलाह दी। बाबा के मार्गदर्शन का असर यह हुआ कि देवकीनंदन ने उन दो सालों में उस जमाने में 14 हजार रुपए की कमाई की, साथ ही रेलवे गार्ड की नौकरी भी जारी रखी

2500 लेकर घरों में नल-कनेक्शन, फिर भी नहीं पहुंचा पानी:60 साल से इंतजार, महिलाएं बोलीं- 3 दिन में एक बार होती है सप्लाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जिले के रेवत और मौक गांव में ग्रामीण पिछले करीब 60 साल से पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। गांव में हर घर जल योजना के तहत घर-घर नल कनेक्शन तो कर दिए गए, लेकिन आज तक नलों में नियमित पानी नहीं पहुंचा। हालात यह हैं कि महिलाओं को पानी के लिए घंटों कतार में इंतजार करना पड़ता है। इसके बाद भी मुश्किल से दो मटकी पानी मिल पाता है। महिलाओं को सिर पर मटकी रखकर करीब एक से डेढ़ किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता है। रेवत ग्राम पंचायत के रेवत और मौक तथा साथू ग्राम पंचायत के साथू और डगातरा गांव में लंबे समय से पानी की समस्या बनी हुई है। मौक में करीब 3-4 साल पहले हर घर जल योजना के तहत अधिकांश घरों में नल कनेक्शन दिए गए और पाइपलाइन भी बिछाई गई, लेकिन ग्रामीणों को अब तक इसका लाभ नहीं मिल पाया है।

सार्वजनिक नल पर 50 से 70 मटकी रखकर करना पड़ता है इंतजार

जब भास्कर टीम मौक गांव पहुंची तो



पानी भरने के लिए एक सार्वजनिक पर महिलाओं की भीड़ लगी हुई थी। वहां करीब 50 से 70 मटकियां और गड़वे रखे हुए थे। महिलाओं ने बताया कि गांव में पानी की सप्लाई दो से तीन दिन में एक बार होती है। वह भी कम प्रेशर से केवल दो घंटे तक ही पानी आता है। ऐसे में पानी भरने के लिए महिलाओं को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। महिलाओं ने बताया कि जिस दिन पानी आने की बारी होती है, उस दिन पहले से ही मटकियां लाकर लाइन में लगा देती हैं। कई बार रात में पानी आने पर रात 12 बजे तक इंतजार करना पड़ता है। घरों से सार्वजनिक नल की दूरी अधिक होने के कारण सिर पर मटकियां रखकर एक से डेढ़ किलोमीटर तक पानी ले जाना पड़ता है। कई बार दिनभर इंतजार करने के बाद भी दो मटकी पानी नहीं मिल पाता। ऐसे में मजबूरी में 700 से 800 रुपए खर्च कर टैंकर मंगवाना पड़ता है।

2500 रुपए लेकर घरों तक दिए नल कनेक्शन, लेकिन पानी नहीं आया

पूर्व वार्ड पंच गोपाल सिंह ने बताया कि ग्रामीणों ने कई बार सरकार और प्रशासन को ज्ञापन देकर समस्या से अवगत कराया। करीब दो साल पहले हर घर जल योजना के तहत प्रत्येक घर में नल कनेक्शन देने के लिए 2500 रुपए लेकर कनेक्शन किए गए। पाइपलाइन भी बिछाई गई, लेकिन आज तक घरों में पानी नहीं पहुंचा। उन्होंने बताया कि गांव में तीन बार पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। पहले एक कॉलोनी में एक नल कनेक्शन के हिसाब से पाइपलाइन बिछाई गई। इसके खराब होने पर दूसरी बार लाइन डाली गई। इसके बाद घर-घर पानी पहुंचाने का आश्वासन देकर नए कनेक्शन भी कर दिए गए, लेकिन स्थिति आज भी जस की तस है।

हर बार सरपंच बदले, पानी की समस्या का समाधान नहीं हुआ

ग्रामीणों का कहना है कि हर बार सरपंच चुनाव में पानी की समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया जाता है। इसी उम्मीद में ग्रामीणों ने अलग-अलग समय पर सरपंच चुने, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग, सांसद लुंबाराम चौधरी और जिला परिषद सदस्यों को भी कई बार ज्ञापन दिए, लेकिन अब तक राहत नहीं मिली। वर्ष 2005 से 2015 तक मौक निवासी लालसिंह राजपुरोहित रेवत के सरपंच रहे। इसके बाद 2015 में भंवरसिंह रावणा राजपूत और 2020 में रेखा देवी भील सरपंच बनीं। अब 2026 के चुनाव में करीब छह साल बाद हुए चुनाव में फिर मौक निवासी विक्रम सिंह को सरपंच चुना गया है। ग्रामीणों ने इस बार भी पानी सहित अन्य विकास कार्यों के समाधान की उम्मीद में उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है।

राजस्थान के सबसे गर्म शहरों में जोधपुर चौथे नंबर पर:रात में चली हवा से गिरा पारा; अगले 6 दिनों में कम होगा तापमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर शहर में नवंबर महीने में भी लोगों को गर्मी का एहसास हो रहा है। यहां रविवार का अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। अधिकतम तापमान के मामले में जोधपुर प्रदेश में चौथे नंबर पर रहा। सबसे ज्यादा तापमान बाड़मेर का 38.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। जबकि जैसलमेर का 37 और चूरू का 36 डिग्री रहा। इधर, न्यूनतम तापमान की बात की जाए तो आने वाले 6 दिनों में इसमें गिरावट देखी जा सकती है। देर रात हवा चलने से इसमें गिरावट भी रिकॉर्ड की गई।

14 नवंबर के बाद मिलेगी राहत, तीन डिग्री तक तापमान गिरने की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में गिरावट देखी जा सकती है। आने वाले दो दिनों में तापमान 37 से 36 डिग्री तक बना रहेगा। इस बीच दो दिन 35 डिग्री भी रिकॉर्ड किया जा सकता है। लेकिन, 14 नवंबर तक अधिकतम तापमान गिरकर 33 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। ऐसे में 6 दिनों में तीन डिग्री तक टेम्परेचर कम होने की उम्मीद है।



अगले सप्ताह से तेज होगा सर्दी का असर

मौसम विभाग के अनुसार अगले सप्ताह तक न्यूनतम तापमान में और भी गिरावट दर्ज की जा सकती है। हालांकि रात में ठंडी हवा चलने से हल्की सर्दी का एहसास होने लगा है। जोधपुर में न्यूनतम तापमान में 18.2 रिकॉर्ड किया गया। आने वाले दिनों में इसमें भी 4 डिग्री तक गिरावट संभव है। सप्ताह के अं?तिम दिनों तक न्यूनतम तापमान 15 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है।

'लोगों के पास गाड़ियों के लिए जगह, गाय के लिए नहीं' :महामंडलेश्वर बोले- गोवर्धन पूजा तो निभाई जा रही, लेकिन देशी गायें न के बराबर बची

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर के परमहंस किशनगिरी महाराज आश्रम के गादीपति महामंडलेश्वर सोमेश्वर गिरी महाराज ने कहा है कि हमारे समाज में गोवर्धन पूजा की परंपरा तो निभाई जा रही है। लेकिन जमीनी हकीकत है कि देशी गायें अब न के बराबर बची हैं। उन्होंने कहा- लोगों के पास गाड़ियां रखने के लिए जगह और साधन हैं। लेकिन गाय रखने का समय और भाव नहीं है। रही-सही कसर जर्सी गायों ने पूरी कर दी। जिन्होंने देशी गायों की जगह ले ली। अब वक्त आ गया है कि हम अपनी देशी नस्ल की गायों के संरक्षण के लिए आगे आएं। महामंडलेश्वर सोमेश्वर गिरी महाराज ने गोवर्धन पूजा के अवसर पर दैनिक भास्कर से विशेष बातचीत की।

घर के मुख्य द्वार पर गोवर्धन बनाने का वैज्ञानिक कारण

सोमेश्वर गिरी महाराज ने बताया कि गोवर्धन पूजा मुख्य रूप से देशी गायों के पूजन का पर्व है। गाय को सनातन परंपरा में मां का दर्जा इसीलिए दिया गया है, क्योंकि इसका दूध, घी, गोमूत्र और गोबर मिलकर पंचगव्य बनाते हैं। उन्होंने गोवर्धन के गोबर से बनने के पीछे का रहस्य बताते हुए कहा कि पुराने समय में घर या मुख्य द्वार के आगे गोबर से गोवर्धन बनाया जाता था। जब परिवार के सदस्य या पालतू पशु इस गोबर के ऊपर से या पास से गुजरते हैं तो गोबर के औषधीय गुणों के कारण कई शारीरिक बीमारियां समाप्त हो जाती है। इसके प्रभाव से शरीर पवित्र, स्वस्थ और ऊर्जावान बनता है।

भैंस का पाड़ा कभी नहीं भागता, गाय का दूध पीकर फुटबॉल की तरह उछलेगा बच्चा

देशी गाय के दूध की ताकत का उदाहरण देते हुए महामंडलेश्वर ने कहा- यदि किसी बच्चे को गर्भावस्था से लेकर बड़े होने तक देशी गाय का दूध पिलाया जाए तो वह गाय के बछड़े की तरह फुर्तीला और ऊर्जावान रहेगा। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा- गाय का दूध पीकर बछड़ा सरपट दौड़ता है, जबकि भैंस का पाड़ा कभी उस तरह नहीं भाग सकता। गाय का दूध इंसान को चुस्त और मानसिक रूप से मजबूत बनाता है।

जोधपुर में एक साथ तीन वंदे-भारत ट्रेनों की होगी मेंटेनेंस:पहले फेज का काम पूरा, 360 करोड़ की लागत से हो रहा तैयार;जून-जुलाई से ट्रायल शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर में राजस्थान का पहला वंदे भारत स्लीपर कोच मेंटेनेंस डिपो बनाया जा रहा है। शहर के भगत की कोठी रेलवे स्टेशन पर करीब 360 करोड़ की राशि से बनाए जा रहे इस डिपो के पहले चरण का काम लगभग पूरा हो गया है। इस डिपो में एक साथ तीन वंदे भारत ट्रेनों की मेंटेनेंस की जा सकेगी। अगले साल जून-जुलाई में ट्रेनों के मेंटेनेंस की ट्रायल शुरू होने की संभावना है। वहीं, दूसरे चरण का काम जारी है। डिपो के बनने से वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव के साथ-साथ जोधपुर रेलवे को भी एक नई पहचान मिलेगी।



राजस्थान का पहला वंदे भारत डिपो, 93' काम पूरा

गौरतलब है कि वंदे भारत ट्रेनों के लिए देशभर में 4 मेंटेनेंस डिपो बनाए जा रहे हैं। इनमें से एक जोधपुर में बनाया जा रहा है। यह राजस्थान का पहला वंदे भारत मेंटेनेंस डिपो है। इसका काम दो फेज में पूरा किया जाएगा। जोधपुर के अलावा दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में डिपो बनाने का काम चल रहा है। पहले फेज में इसके लिए 167 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक मशीनरी और सुविधाएं विकसित की गई हैं। पहले फेज का लगभग 93 फीसदी काम पूरा हो चुका है। वहीं दूसरे फेज का काम शुरू हो चुका है। पहले फेज में 600 मीटर के क्षेत्र में 3 पिट लाइनें, ड्रॉप पिट टेबल, एडवांस्ड व्हील टर्निंग सिस्टम, ऑटोमेटेड वाशिंग प्लांट और सिंक्रोनाइज्ड लिफ्टिंग अरेंजमेंट जैसी आधुनिक मशीनरी स्थापित की गई है। यहां करीब 600 मीटर लंबे क्षेत्र में बनी तीन पिट लाइनों से एक साथ तीन वंदे भारत ट्रेनों की मेंटेनेंस की जा सकेगी। इस डिपो के बनने से वंदे जैसी सेमी हाईस्पीड ट्रेनों का रखरखाव बेहतर ढंग से हो पाएगा।

जेल में पिटाई, दीवार-बिजली गिरने से मौत तो मिलेंगे 5-लाख:राजस्थान में अननैचुरल डेथ पर मुआवजा देने की तैयारी, गृह विभाग बना रहा पॉलिसी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर राजस्थान में अब हिरासत में मौत के मामले में सरकार मुआवजा देगी। इसे लेकर सरकार पॉलिसी बनाने का काम कर रही है। गृह विभाग को पॉलिसी का ड्राफ्ट बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। गृह विभाग के आधिकारिक सूत्रों की मानें तो पॉलिसी में 5 लाख रुपए तक मुआवजा देने का प्रावधान रखा जा सकता है। राजस्थान में हिरासत में मौत के मामले में अभी किसी तरह की कोई स्पष्ट नीति नहीं है। ऐसे में कोर्ट के निर्देश, राजनीतिक और सामाजिक दबाव को देखते हुए अलग-अलग घटना पर अलग-अलग मुआवजा दिया जाता रहा है। परंतु अधिकतर मामलों में कोई पॉलिसी नहीं होने से मृतक के परिजनों को किसी तरह की सहायता नहीं मिल पाती है। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट समय-समय पर राज्य सरकारों को पॉलिसी बनाने के निर्देश दे चुकी हैं।

मुआवजे के लिए हाईकोर्ट जाना पड़ा

पॉलिसी नहीं होने से इस तरह की घटनाओं में मुआवजा राशि को लेकर एकरूपता नहीं है। पिछले साल 2 जुलाई 2025 को जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद रूपाराम सीरवी की मौत हो गई थी। जेल प्रशासन ने बताया था कि मौत हार्ट अटैक से हुई थी, लेकिन परिजनों ने शरीर पर चोट के निशान देखकर मारपीट का आरोप लगाते हुए धरना-प्रदर्शन किया था। घटना के बाद सरकार ने जेल प्रशासन पर कार्रवाई की, लेकिन मुआवजा नहीं दिया। परिजन हाईकोर्ट पहुंचे तो कोर्ट ने अगस्त 2026 में इसे कस्टोडियल डेथ का गंभीर मामला माना और परिजनों को 25 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया।



जेल और थाने में मौत पर नहीं मिला मुआवजा

अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में बंद जगन गुर्जर की 29 जून 2026 को मौत हो गई थी। जगन की हत्या का आरोप सेल पार्टनर (साथी कैदी) विष्णु जाट पर है। इस मामले में जगन के परिजनों को कोई मुआवजा नहीं मिला। हालांकि परिजनों ने किसी तरह के मुआवजे की मांग भी नहीं की थी। वहीं जयपुर के मुहाना थाने में सितंबर 2026 को पूछताछ के लिए मध्य प्रदेश के किशोर ऋतुराज लोहार को लाया गया था। परिजनों ने थाने में पिटाई का आरोप लगाया था।

हालांकि पुलिस ने इससे इनकार किया था। इसके बाद इलाज के दौरान 5 अक्टूबर को ऋतुराज की मौत हो गई थी। मामले में भी परिजनों को किसी तरह का मुआवजा नहीं दिया गया।

तीन महीने में ड्राफ्ट को पॉलिसी बनाने के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के निर्देश के बाद सरकार ने साल 2025 में कस्टोडियन डेथ रिलीफ स्कीम-2025 का ड्राफ्ट पेश किया था। इसके बाद एक बार फिर मामला ठंडे बस्ते में चला गया। अब एक बार फिर पिछले महीने हाईकोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि वह तीन महीने में इस ड्राफ्ट को पॉलिसी का रूप देकर लागू करें। इसके बाद इस काम में तेजी आई है। बताया जा रहा है कि गृह विभाग अगले 15 दिन में इसे अंतिम रूप दे देगा। इसके बाद विधि विभाग इसका परीक्षण करेगा और वित्त विभाग की मंजूरी के लिए इसे भेजा जाएगा।

सरकार के 3 साल, बेटियों को स्कूटी, घर के लिए राशि:रिपोर्ट कार्ड के साथ आपके लिए होंगी कई घोषणाएं, 18 दिन हो सकते हैं कार्यक्रम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर भजनलाल सरकार के अगले महीने तीन साल पूरे होने जा रहे हैं। इस मौके को सरकार सिर्फ जश्न तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि प्रदेश की जनता के बीच अपनी उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड रखेगी। इसमें पेपर लीक पर लगाम और नौकरियों में 1.93 लाख नियुक्तियां जैसी उपलब्धियां प्रमुख हैं। जश्न के दौरान कई नई सौगातें भी देने की भी तैयारी है। नई सहकारिता नीति जारी होगी। बेटियों को स्कूटी और साइकिल वितरण और युवाओं को भर्तियों के नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। साथ ही शहरों और गांवों में लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने के लिए पहली बार 7 दिवसीय शिविर लगेंगे। सरकार के 3 साल होने पर 8 दिसंबर से 25 दिसंबर तक के कार्यक्रम का पूरा प्रस्ताव तैयार किया गया है। तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री जल्द ही कैबिनेट की बैठक बुलाकर स्वीकृति दे सकते हैं। इसके बाद अधिकारिक तौर पर घोषणा हो सकती है। उल्लेखनीय है कि भजनलाल शर्मा ने 15 दिसंबर 2023 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। अब 3 साल पूरे होने क्या-क्या कार्यक्रम होंगे, पढ़िए-मंडे स्पेशल स्टोरी में...

सबसे पहले जानिए, 8 से 25 दिसंबर तक प्रस्तावित कार्यक्रम कौन-कौनसे हैं

8 दिसंबर : प्रवासी राजस्थानियों के साथ उद्योग, पर्यटन,ऊर्जा, शहरी विकास और खनन क्षेत्रों पर 6 सत्र। उद्योगपतियों और राजस्थान फाउंडेशन



चैप्टर्स के साथ बैठकें।

10 दिसंबर : राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत प्राप्त निवेश परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग एवं उद्घाटन।

11 दिसंबर : एनआरआर चैप्टर्स के साथ संवाद (मुख्यमंत्री कार्यालय, कॉन्फ्रेंस हाल)

12 दिसंबर : सरकार की 3 वर्षों की उपलब्धियों पर केंद्रित सभी जिलों के लिए विकास रथों की रवानगी।

13 दिसंबर : सभी जिलों में 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान।

14 दिसंबर : स्वच्छ भारत अभियान के तहत 7 दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत। सभी राजकीय कार्यालयों में एक घंटे का साफ-सफाई अभियान। मंदिरों, स्मारकों आदि की साफ-सफाई।

15 दिसंबर : श्रमिक कल्याण की विभिन्न योजनाओं के तहत सहायता राशि, मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना, अनुसूचित जाति-जनजाति के छात्रों को पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति और पीएम आवास के लाभार्थियों को राशि का आवंटन।

16 दिसंबर : स्टार्ट अप कॉन्क्लेव/ आई स्टार्ट अप कार्यक्रम।

17 दिसंबर : आमजन की विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी समस्याओं के समाधान के लिए सभी जिलों में 7 दिवसीय शिविरों का शुभारंभ।

18 दिसंबर : सभी जिलों में छात्राओं को साइकिल और स्कूटी वितरण का शुभारंभ। मुख्यमंत्री गैस सब्सिडी योजना। पालनहार योजना के अंतर्गत सहायता राशि। लाडो योजना के लाभार्थियों को राशि का आवंटन। लखपति दीदियों को ऋण सहायता।

19 दिसंबर : सभी जिलों में राज्य स्तरीय रन फॉर विकसित कार्यक्रम।

21-22 दिसंबर : राज्य स्तरीय रोजगार मेला 2 दिवसीय (कॉमर्स कॉलेज कैंपस जयपुर)। करीब 30 हजार युवाओं को राजकीय सेवाओं में चयन के उपरांत नियुक्ति/ बधाई पत्रों का वितरण।

23 दिसंबर : नई सहारिता नीति का शुभारंभ। 30 प्रदर्शन स्टॉल। 65 नवनिर्मित गोदामों का लोकार्पण।

24 दिसंबर : किसान सम्मान निधि राशि का आंवटन। किसानों को विभिन्न योजनाओं में अनुदान राशि वितरित।

25 दिसंबर : जयपुर में राज्य स्तरीय सुशासन दिवस समारोह। सचिवालय में सुबह 9. 30 बजे सुशासन दिवस की शपथ दिलाना। सभी जिलों-उपखंडों और अटल सेवा केंद्रों पर सुबह 9. 30 बजे सुशासन दिवस की शपथ।

25 दिसंबर : सभी विधानसभा क्षेत्रों में रथ यात्रा का समापन।

ड्यूटी पर तैनात पुलिस जवानों के बीच पहुंचे एसपी, अपने हाथों से मिठाई खिलाकर मनाई दीपावली

टोंक में देर रात बाजारों का किया निरीक्षण, जवानों का बढ़ाया उत्साह; शहरवासियों से शांति और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक, (पीयूष गौत्तम)। दीपावली के अवसर पर जब पूरा शहर रोशनी और खुशियों में डूबा हुआ था, तब पुलिस के जवान सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए बाजारों और प्रमुख स्थानों पर मुस्तैद थे। रविवार देर रात पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा ने इन जवानों के बीच पहुंचकर उनके साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर त्योहार की शुभकामनाएं दीं और उनका उत्साह बढ़ाया। पुलिस अधीक्षक रोशन

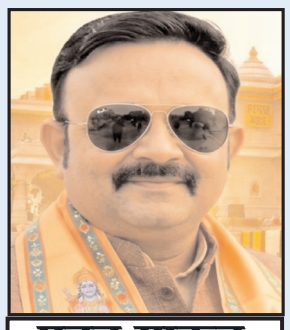


मीणा पुलिस अधिकारियों के साथ शहर के विभिन्न बाजारों और प्रमुख क्षेत्रों में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और अलग-अलग स्थानों पर तैनात पुलिस जवानों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश त्योहार मना रहा होता है, तब पुलिसकर्मी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए पूरी मेहनत और निष्ठा से ड्यूटी करते हैं। ऐसे में उनके बीच पहुंचकर दीपावली की खुशियां बांटना और उनका मनोबल बढ़ाना जरूरी है। एसपी ने जवानों को परिवार के सदस्यों की तरह मिठाई खिलाई और उनके समर्पण की सराहना की। उनके इस आत्मीय व्यवहार से ड्यूटी पर तैनात जवानों में भी उत्साह दिखाई दिया। इस अवसर पर उन्होंने शहरवासियों से दीपावली का पर्व शांति, आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। साथ ही कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने का आग्रह किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव, पुलिस उपाधीक्षक मृत्युंजय मिश्रा, शहर कोतवाल भंवरलाल वैष्णव सहित अन्य पुलिस अधिकारी और जवान मौजूद रहे।

सम्पादकीय

पेट्रोल में इथेनॉल की कथित अति-मिलावट: हर बूंद के साथ बढ़ता उपभोक्ताओं की सुरक्षा का सवाल

जब कुछ लोकप्रिय कथावाचक व्यासपीठ जैसे पवित्र मंच से, जिसे धर्म, अध्यात्म और संस्कृति के प्रसार का माध्यम माना जाता है, महिलाओं के खिलाफ अभद्र, अपमानजनक और निम्न स्तर की टिप्पणी करते हैं, तो यह सिर्फ एक व्यक्तिगत बयान नहीं होता, बल्कि पूरे धर्म, संस्कृति और सभ्य समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाता है। ऐसे विचारों वाले कथावाचक आखिरकार समाज को क्या संदेश देना चाहते हैं और युवा पीढ़ी के सामने कैसा चरित्र प्रस्तुत कर रहे हैं, यह एक बड़ा सवाल है।



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

भारतीय सनातन संस्कृति में महिलाओं को हमेशा से ऊंचा स्थान दिया गया है। हमारे वेदों, पुराणों और शास्त्रों में 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ता, रमन्ता तत्र देवताः' की महान भावना सिखाई गई है, जिसका अर्थ है कि जहां भी महिलाओं की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। लेकिन, आजकल कुछ वक्ता या कहानी सुनाने वाले, फेम की सनक में या अपनी मर्दानगी और छोटी सोच दिखाने में सारी हदें पार कर देते हैं। वे स्टेज पर बैठकर औरतों का मज़ाक उड़ाते हैं, उनके कैरेक्टर को बेइज्जत करते हैं और उनकी इज्ज़त को ठेस पहुँचाते हैं। क्या यह देश की नारी शक्ति, हमारी माताओं और बहनों का सीधा मज़ाक नहीं है?

ऐसे भाषण देने वालों की सोच इतनी गिरी हुई और गिरी हुई हो गई है कि उन्हें यह भी पता नहीं है कि लाखों लोग उन्हें अपना रोल मॉडल मानते हैं। नई पीढ़ी और बच्चे उनके भाषण सुनकर कल्चर अपनाते हैं। अगर इतने असरदार प्लेटफॉर्म से औरतों के लिए घटिया और बेइज्जती वाली भाषा का इस्तेमाल किया जाएगा, तो इससे युवाओं के मन में औरतों के लिए इज्ज़त कम होगी और समाज में एक खतरनाक मेंटल पॉल्यूशन फैलेगा। यह सिर्फ बोलने की पवित्रता का सवाल नहीं है, बल्कि यह एक मेंटल ज़हर है जो धीरे-धीरे हमारे सामाजिक ताने-बाने को तोड़ रहा है।

ऐसे लोग जो धर्म के नाम पर धंधा करते हैं और स्टेज की पवित्रता को खराब करते हैं, वे कहानी सुनाने वाले कहलाने के बिल्कुल भी लायक नहीं हैं। वे धर्म के प्रचारक नहीं, बल्कि समाज में बेइज्ज़ती और नेगेटिविटी फैलाने वाले किरदार हैं। किसी भी सभ्य समाज में महिलाओं का अपमान कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। अगर धर्म और संस्कृति की रक्षा का दावा करने वाले ही इसकी असली भावना का दिखावा करेंगे, तो समाज में नैतिक पतन तय है। अब समय आ गया है कि जागरूक नागरिकों, युवाओं और सामाजिक संस्थाओं को इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए, न कि मूक दर्शक बने रहना चाहिए। ऐसे बहुदेववादी और पतित सोच वाले कहानीकारों का सामाजिक बहिष्कार किया जाना चाहिए और उन्हें यह साफ संदेश मिलना चाहिए कि धर्म के नाम पर महिलाओं के सम्मान पर हमला करने वालों को कभी माफ नहीं किया जाएगा। अगर हमने आज आवाज नहीं उठाई, तो यह बिगड़ी हुई सोच आने वाली पीढ़ियों के लिए श्राप बन जाएगी। धर्म का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को संस्कार, सद्भाव, मर्यादा और सम्मान का मार्ग दिखाना है, न कि किसी वर्ग या विशेषकर महिलाओं को अपमानित करना। व्यासपीठ पर बैठने वाला व्यक्ति केवल कथा नहीं सुनाता, बल्कि लाखों लोगों के विचारों और आचरण को प्रभावित करता है। इसलिए उसके शब्दों और व्यवहार की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होती है। कथावाचक होना किसी को महिलाओं के सम्मान से खिलवाड़ करने का अधिकार नहीं देता। समाज को भी केवल लोकप्रियता, भीड़ और चमत्कारिक प्रवचनों के आधार पर किसी को संत या धर्मगुरु का दर्जा देने से पहले उसके विचारों और चरित्र का मूल्यांकन करना चाहिए। जो लोग धर्म की आड़ में अभद्रता को बढ़ावा देते हैं, उनसे सवाल पूछना धर्म का विरोध नहीं, बल्कि धर्म की गरिमा की रक्षा करना है। अब समय आ गया है कि व्यासपीठ की पवित्रता शब्दों से नहीं, बल्कि विचारों, आचरण और नारी सम्मान के प्रति वास्तविक प्रतिबद्धता से साबित हो।

दीपावली की रोशनी के बाद जहरीली हुई हवा, खुशियों के नाम पर सांसों में घोला जहर

पटाखों के धुएं ने खोली पर्यावरण संरक्षण के दावों की पोल, कुछ घंटों की आतिशबाजी का खामियाजा कई दिनों तक भुगतेंगे बच्चे, बुजुर्ग और बीमार

दीपावली पर घरों में रोशनी हुई, आसमान आतिशबाजी से जगमगाया और लोगों ने खुशियां मनाईं, लेकिन इस जश्न की एक ऐसी कीमत भी सामने आई है, जिसका भुगतान अब लोगों को अपनी सांसों से करना पड़ सकता है। त्योहार की चमक-दमक के पीछे वातावरण में घुला जहरीला धुआं अब प्रदूषण की गंभीर तस्वीर पेश कर रहा है। देश के कई शहरों में दीपावली के बाद वायु प्रदूषण को लेकर चिंता बढ़ गई है। आतिशबाजी के साथ वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों की धूल और पहले से मौजूद प्रदूषण ने हवा की गुणवत्ता को और खराब करने में भूमिका निभाई है।

विडंबना देखिए कि दीपावली से पहले पर्यावरण बचाने के बड़े-बड़े संदेश दिए जाते हैं, प्रदूषण रोकने के लिए आदेश जारी होते हैं और जिम्मेदार विभाग अपनी तैयारियों का दावा करते हैं, लेकिन त्योहार आते ही इन दावों की हकीकत धुएं में गायब होती दिखाई देती है। कुछ घंटों की



आतिशबाजी के लिए वातावरण में इतना धुआं छोड़ दिया जाता है कि उसका असर कई दिनों तक महसूस किया जा सकता है। सवाल यह है कि आखिर हर साल चेतावनियां जारी होने के बावजूद हालात बदल क्यों नहीं रहे?

पटाखों से निकलने वाले सूक्ष्म कण और हानिकारक गैसें वातावरण को दूषित करती हैं। हवा की गति कम होने और तापमान गिरने पर प्रदूषक तत्व लंबे समय तक वातावरण में बने रह सकते हैं। इसका सबसे अधिक खतरा बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को होता है। आंखों में जलन, गले में खराश, खांसी, सिरदर्द और सांस लेने में परेशानी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहना फेफड़ों और हृदय के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है।

सबसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी पर भाषण देने वाले तंत्र के पास प्रदूषण फैलने के बाद चिंता जताने और आंकड़े जारी करने का समय तो होता है, लेकिन प्रदूषण रोकने के लिए जमीनी स्तर पर प्रभावी व्यवस्था कितनी मजबूत है, यह हर साल सामने आ जाता है। नियम बनते हैं, अपीलें होती हैं, चेतावनियां दी जाती हैं, लेकिन इन सबके बीच आम आदमी को वही हवा नसीब होती है, जिसमें सांस लेना भी चुनौती बनता जा रहा है।

आखिर यह कैसी त्योहार की खुशियां हैं, जिनकी चमक के बाद बच्चों को साफ हवा के बजाय धुएं का सामना करना पड़े? क्या पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी विज्ञापनों और भाषणों तक सीमित रह गया है? प्रशासन को धूल नियंत्रण, कचरा जलाने पर रोक, वाहनों से होने वाले प्रदूषण की निगरानी और आतिशबाजी संबंधी नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करना होगा। नागरिकों को भी समझना होगा कि उत्सव मनाने का अधिकार दूसरों की सेहत को खतरे में डालने का अधिकार नहीं है।

हैरानी की बात है कि जिस दीपावली को अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व कहा जाता है, उसी के बाद वातावरण में प्रदूषण का अंधकार गहराने लगता है। यदि खुशियों का उत्सव दूसरों की सांसों पर भारी पड़ने लगे, तो ऐसी खुशियों के तौर-तरीकों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। आखिर रोशनी के नाम पर हवा में जहर घोलना किस समझदारी का प्रतीक है? क्या अगली दीपावली पर भी यही होगा कि पहले पटाखे जलेंगे, फिर प्रदूषण बढ़ेगा और उसके बाद जिम्मेदार लोग चिंता जताते नजर आएंगे? समय आ गया है कि त्योहार मनाने के तरीके बदलें, क्योंकि स्वस्थ हवा के बिना रोशनी, उत्सव और खुशियों का कोई अर्थ नहीं रह जाता।

गुजरात में भाजपा के सहकारी क्षेत्र के अभेद्य किले में दरार! संस्थाओं पर कब्जे की लड़ाई या नेताओं की बढ़ती महत्वाकांक्षा?

गुजरात की राजनीति में सहकारी क्षेत्र को लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी का मजबूत आधार माना जाता रहा है। जिला सहकारी बैंकों, दुग्ध उत्पादक संघों, डेयरियों और गांवों से लेकर जिला स्तर तक फैली सहकारी संस्थाओं का प्रभाव केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इनका ग्रामीण राजनीति और जनाधार पर भी गहरा असर है। लाखों किसान, पशुपालक और ग्रामीण परिवार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इन संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि गुजरात में सहकारी संस्थाओं पर पकड़ को राजनीतिक प्रभाव और संगठनात्मक ताकत का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। लेकिन हाल के दिनों में साबर डेयरी सहित एक दर्जन से अधिक सहकारी संस्थाओं में सामने आई चुनावी खींचतान ने भाजपा के इस मजबूत किले की अंदरूनी स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि कुछ स्थानों पर पार्टी के आधिकारिक निर्देशों और घोषित सहमति के विपरीत स्थानीय स्तर पर अलग-अलग गुटों ने अपने उम्मीदवारों और समर्थकों को मैदान में उतारा। इससे पार्टी के पुराने नेताओं के बीच टकराव की स्थिति पैदा हुई है। यह घटनाक्रम केवल सहकारी चुनावों की आपसी प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संगठनात्मक अनुशासन और नेतृत्व के प्रभाव की भी परीक्षा बनता दिखाई दे रहा है। सहकारी क्षेत्र में प्रभाव रखने वाले जयेश राडाडिया और दिलीप संधानी जैसे नेताओं के नाम इस पूरे घटनाक्रम के संदर्भ में चर्चा में हैं। गुजरात की सहकारी राजनीति में इन नेताओं का अपना प्रभाव और समर्थकों का आधार रहा है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर अलग-अलग गुटों का सक्रिय होना प्रदेश नेतृत्व के लिए चुनौती माना जा रहा है। सवाल यह है कि क्या क्षेत्रीय नेताओं की राजनीतिक हैसियत इतनी बढ़ गई है कि वे संगठन के फैसलों से अलग रास्ता अपनाने का साहस कर रहे हैं? या फिर इसके पीछे स्थानीय स्तर पर लंबे समय से पनप रही नाराजगी और सत्ता में हिस्सेदारी की लड़ाई है? इस पूरे विवाद के पीछे दो प्रमुख कारण दिखाई देते हैं। पहला, सहकारी संस्थाओं पर नियंत्रण का आर्थिक और राजनीतिक महत्व। इन संस्थाओं का कारोबार करोड़ों रुपये में होता है। इनके माध्यम से किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण समुदायों तक सीधा संपर्क बना रहता है। संस्थाओं के प्रबंधन और निर्णय प्रक्रिया में प्रभाव रखने से राजनीतिक पकड़ भी मजबूत होती है। इसलिए पदों और नियंत्रण को लेकर नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ना स्वाभाविक है। कई बार यह प्रतिस्पर्धा संगठनात्मक मर्यादाओं को भी पीछे छोड़ देती है। दूसरा कारण प्रदेश नेतृत्व की कार्यशैली और अनुशासन लागू कराने की क्षमता से जुड़ा है। यदि पार्टी के आधिकारिक निर्देशों की अनदेखी के बावजूद संबंधित नेताओं के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं होती, तो दूसरे नेताओं को भी अपने स्तर पर फैसले लेने का प्रोत्साहन मिल सकता है। भाजपा की पहचान लंबे समय तक अनुशासित संगठन के रूप में रही है। ऐसे में सहकारी क्षेत्र में सामने आ रही गुटबाजी पार्टी की उसी छवि के लिए चुनौती बन सकती है। इसका असर केवल सहकारी संस्थाओं तक सीमित रहने की आशंका नहीं है। गुजरात में सहकारी ढांचा ग्रामीण समाज की आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था से गहराई से जुड़ा हुआ है। यदि इन संस्थाओं में राजनीतिक खींचतान बढ़ती है, तो उसका प्रभाव किसानों और ग्रामीण मतदाताओं के बीच भी दिखाई दे सकता है। विपक्ष को भी इस स्थिति को सरकार और सत्तारूढ़ दल के संगठनात्मक दावों पर सवाल उठाने के अवसर के रूप में इस्तेमाल करने का मौका मिल सकता है। अब सबसे बड़ा सवाल प्रदेश नेतृत्व के सामने है कि वह इस अंदरूनी खींचतान को किस तरह संभालता है। क्या आधिकारिक निर्देशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी या फिर राजनीतिक संतुलन बनाए रखने के नाम पर समझौते का रास्ता अपनाया जाएगा? यदि हर बार प्रभावशाली नेताओं के सामने संगठनात्मक अनुशासन कमजोर पड़ता है, तो भविष्य में पार्टी के निर्देशों का महत्व भी घट सकता है। गुजरात के सहकारी क्षेत्र में चल रही यह रस्साकशी भाजपा के लिए केवल कुछ पदों का विवाद नहीं, बल्कि अपने संगठनात्मक नियंत्रण, राजनीतिक प्रभाव और नेतृत्व की विश्वसनीयता बचाए रखने की बड़ी चुनौती बनती जा रही है।

दीपावली की शुभकामनाओं के बहाने साइबर ठगों का जाल, एक क्लिक में खाली हो सकता है बैंक खाता

दीपावली का त्योहार खुशियों, रोशनी, मिठाइयों और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देने का अवसर है, लेकिन बदलते समय के साथ साइबर अपराधियों ने भी त्योहारों को ठगी का नया माध्यम बना लिया है।

जहां लोग अपनों को शुभकामना संदेश और उपहार भेजने में व्यस्त हैं, वहीं दूसरी ओर ठग इसी उत्साह का फायदा उठाकर लोगों की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ करने की फिराक में हैं। व्हाट्सऐप और अन्य सामाजिक माध्यमों पर दीपावली की शुभकामनाओं, मुफ्त उपहार, विशेष छूट और इनाम के नाम पर भेजे जा रहे संदिग्ध संदेश लोगों के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। इन दिनों ठग आकर्षक संदेशों के साथ ऐसी कड़ियां भेजते हैं, जिन पर क्लिक करने के लिए लोगों को उकसाया जाता है। कई बार संदेश के साथ अनजान अनुप्रयोग स्थापना फाइल भी भेजी जाती है। लोग इसे दीपावली का शुभकामना संदेश या उपहार समझकर अपने मोबाइल में स्थापित कर लेते हैं।

यहीं से साइबर ठगी का खतरा शुरू होता है। ऐसी संदिग्ध फाइलों में हानिकारक सॉफ्टवेयर हो सकता है, जिसके माध्यम से अपराधी मोबाइल में मौजूद निजी जानकारियों और आंकड़ों तक पहुंच बनाने का प्रयास करते हैं। कुछ मामलों में ऐसे हानिकारक सॉफ्टवेयर संदेशों, संपर्क सूची, निजी तस्वीरों और बैंकिंग से जुड़ी जानकारियों को निशाना बना सकते हैं। यदि उपयोगकर्ता अनजाने में आवश्यक अनुमतियां दे देता है, तो उसकी निजी जानकारी का दुरुपयोग होने का खतरा बढ़ जाता है। ठग चोरी की गई जानकारी अथवा छलपूर्वक हासिल किए गए गोपनीय संकेतों का इस्तेमाल करके आर्थिक नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार त्योहारों के दौरान मुफ्त उपहार, विशेष बोनस, भाग्यशाली कूपन और इनाम जीतने जैसे प्रलोभनों से विशेष सतर्क रहने की जरूरत है। किसी अनजान व्यक्ति या अपरिचित समूह से प्राप्त कड़ी पर बिना जांच किए क्लिक करना खतरनाक हो सकता है।

विशेष रूप से अनुप्रयोग स्थापना वाली फाइलों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। सुरक्षित रहने के लिए कुछ सावधानियां बेहद जरूरी हैं। व्हाट्सऐप पर आने वाली अनजान अनुप्रयोग फाइलों को डाउनलोड या स्थापित न करें। मुफ्त उपहार और इनाम का लालच देने वाली संदिग्ध कड़ियों से दूर रहें। बैंक खाते, एकीकृत भुगतान प्रणाली और अन्य वित्तीय सेवाओं से संबंधित गोपनीय संकेत, व्यक्तिगत पहचान संख्या और एक बार इस्तेमाल होने वाला सत्यापन संकेत किसी के साथ साझा न करें। मोबाइल में अनुप्रयोग केवल आधिकारिक अनुप्रयोग भंडार से ही स्थापित करें।

किसी भी संदिग्ध संदेश की सत्यता की पुष्टि संबंधित कंपनी या संस्था के आधिकारिक माध्यम से करें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यदि गलती से कोई संदिग्ध फाइल स्थापित हो गई है या गोपनीय जानकारी साझा हो गई है, तो तुरंत बैंक से संपर्क कर आवश्यक सुरक्षा कदम उठाएं। आर्थिक साइबर ठगी होने पर राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर तत्काल शिकायत दर्ज कराएं। दीपावली पर घरों में दीपक जलाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी अपने मोबाइल और बैंक खाते की सुरक्षा करना भी है।

याद रखिए, ठगों के लिए आपकी भावनाएं और त्योहारों का उत्साह भी ठगी का हथियार बन सकता है। इसलिए किसी भी शुभकामना संदेश को आंख बंद करके भरोसेमंद न मानें।

थोड़ी-सी सावधानी आपकी वर्षों की मेहनत की कमाई को सुरक्षित रख सकती है। आखिर त्योहार का असली आनंद तभी है, जब घर में रोशनी के साथ आर्थिक सुरक्षा और मन की शांति भी बनी रहे।

महत्वपूर्ण सूचना

गुजरात नववर्ष के अवसर पर अवकाश के चलते 11, 12 एवं 13 नवंबर 2026 को महानगर मेट्रो समाचार पत्र का प्रकाशन नहीं होगा।

समाचार पत्र का अगला अंक 14 नवंबर 2026 को पूर्ववत प्रकाशित होगा।

पवन मकान
ग्रुप एडिटर महानगर मेट्रो

आज का राशिफल

(मंगलवार) 10 नवम्बर 2026

मेष
विद्यार्थियों को करियर से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। दोस्तों और परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा

वृषभ
मेहनत का पूरा फल मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों पर काम का दबाव बढ़ सकता है, लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आपके काम की सराहना होगी।

मिथुन
कारोबार के लिहाज से दिन लाभदायक रहेगा। होटल, रेस्टोरेंट या खानपान से जुड़े जातकों को अच्छा मुनाफा मिल सकता है।

कर्क
व्यापार में उम्मीद से बढ़कर लाभ हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और पुराने मित्रों से मुलाकात मन को प्रसन्न करेगी।

सिंह
आपको अपने फैसलों में थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। विशेषकर पैसों के लेन-देन या जोखिम भरे निवेश से बचें।

कन्या
कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। विदेश या दूर-दूर के स्रोतों से मुनाफा हो सकता है। खान-पान पर विशेष ध्यान दें

तुला
आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टिकोण से दिन बहुत शानदार है। व्यापार में बिक्री बढ़ने से मुनाफा होगा।

वृश्चिक
आपके भीतर एक अलग ही ऊर्जा और उत्साह देखने को मिलेगा। बिजनेस के सिलसिले में किसी बड़े व्यक्ति से डील हो सकती है।

धनु
संतान पक्ष से कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है जिससे घर में उल्लास का माहौल रहेगा। नौकरी में पदोन्नति ट्रांसफर मिल सकता है।

मकर
अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में अपने अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे। वरिष्ठ जनों की सलाह आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी।

कुंभ
परिवार में लंबे समय से चली आ रही किसी समस्या का समाधान निकलेगा। यात्रा के दौरान थोड़ी सावधानी बरतें।

मीन
वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में समझदारी से कदम उठाएं। किसी पुराने निवेश से आपको बड़ा मुनाफा मिल सकता है।

19 वर्षों तक बेटी को कंधों पर उठाकर शिक्षा दिलाई, एमकॉम में हासिल किए 90 प्रतिशत अंक

तेलंगाना के पिता ने समर्पण और संघर्ष की पेश की अनूठी मिसाल, जन्मजात दुर्लभ बीमारी भी बेटी के हौसले और पिता के संकल्प को नहीं रोक सकी

मिर्यालगुडा। कहा जाता है कि भगवान हर जगह नहीं पहुंच सकते, इसलिए उन्होंने पिता को बनाया है। यह बात तेलंगाना के मिर्यालगुडा निवासी सुनकोजू वेंकटचारी और उनकी बेटी शिवानी की कहानी में साकार होती दिखाई देती है। एक पिता ने अपनी बेटी के सपनों को पूरा करने के लिए जो संघर्ष किया, वह केवल भावुक करने वाली कहानी नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग, धैर्य और दृढ़ संकल्प की ऐसी मिसाल है, जिसे जानकर हर किसी का सिर सम्मान से झुक जाएगा। वेंकटचारी ने लगभग 19 वर्षों तक अपनी बेटी को अपने कंधों और पीठ का सहारा देकर विद्यालय से महाविद्यालय तक पहुंचाया। आज उनकी बेटी ने वाणिज्य विषय में स्नातकोत्तर की परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पिता के वर्षों के संघर्ष को गौरवपूर्ण सफलता में बदल दिया है। शिवानी जन्म से ही एक दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी से पीड़ित हैं। इस बीमारी के कारण उनके पैरों में चलने की क्षमता नहीं है। उन्हें दैनिक गतिविधियों के लिए भी दूसरों की सहायता की आवश्यकता पड़ती है। ऐसी परिस्थितियों में किसी भी परिवार के सामने अनेक चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं, लेकिन वेंकटचारी ने बेटी की शारीरिक अक्षमता को कभी उसकी शिक्षा और भविष्य के रास्ते की बाधा नहीं बनने दिया। उन्होंने तय कर लिया था कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, उनकी बेटी को शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपने पूरे करने का पूरा अवसर मिलेगा।

हर दिन पिता का संघर्ष किसी परीक्षा से कम नहीं था। सुबह बेटी को तैयार करना, उसे अपने कंधों या पीठ पर उठाकर विद्यालय पहुंचाना, कक्षाकक्ष तक ले जाना और पढ़ाई पूरी होने के बाद वापस घर लाना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन गया। यह सिलसिला एक-दो दिन या कुछ महीनों तक नहीं, बल्कि वर्षों तक लगातार चलता रहा। तेज धूप हो, बारिश हो या सर्दी का मौसम, पिता के कदम कभी नहीं रुके। उन्होंने अपनी थकान और परेशानियों से अधिक महत्व बेटी की पढ़ाई और उसके भविष्य को दिया। समय के साथ शिवानी की शिक्षा का स्तर बढ़ता गया और चुनौतियां भी बढ़ती गईं, लेकिन पिता का साथ कभी कम नहीं हुआ। विद्यालय से लेकर महाविद्यालय तक पहुंचने के इस लंबे सफर में वेंकटचारी केवल एक अभिभावक नहीं, बल्कि बेटी के सबसे बड़े सहारे और प्रेरणास्रोत बने रहे। दूसरी ओर शिवानी ने भी अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास से यह साबित कर दिया कि शारीरिक सीमाएं किसी व्यक्ति की प्रतिभा और आगे बढ़ने की इच्छा को समाप्त नहीं कर सकतीं। आखिरकार वर्षों की मेहनत रंग लाई। शिवानी ने एमकॉम की परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक हासिल किए। यह उपलब्धि उनके परिवार के लिए अपार खुशी और गर्व का विषय है। उनकी सफलता के पीछे केवल पुस्तकों का अध्ययन और परीक्षा की तैयारी नहीं, बल्कि पिता के वे हजारों कदम भी शामिल हैं, जो उन्होंने बेटी को शिक्षा के मुकाम तक पहुंचाने के लिए उठाए। यह परिणाम उन सभी लोगों के लिए भी प्रेरणा है, जो विपरीत परिस्थितियों के सामने अपने सपनों से समझौता कर लेते हैं। आज जब शिवानी की



सफलता की चर्चा हो रही है, तब उनके पिता का 19 वर्षों का त्याग भी उतना ही महत्वपूर्ण है। एक ओर बेटी ने अपनी प्रतिभा से सफलता का नया अध्याय लिखा, तो दूसरी ओर पिता ने अपने कर्मों से यह साबित किया कि सच्चा अभिभावक वही है, जो बच्चों की कमजोरियों को उनकी मंजिल के रास्ते की दीवार नहीं बनने देता। वेंकटचारी और शिवानी की यह कहानी समाज के सामने कई महत्वपूर्ण सवाल भी खड़े करती है। क्या हमारे शिक्षण संस्थानों में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हैं? क्या प्रत्येक विद्यालय और महाविद्यालय में ऐसी व्यवस्था है कि शारीरिक चुनौतियों से जूझ रहे विद्यार्थियों को बिना किसी परेशानी के शिक्षा मिल सके? एक पिता ने 19 वर्षों तक अपनी बेटी को कंधों पर उठाकर शिक्षा दिलाई, लेकिन क्या व्यवस्था की जिम्मेदारी केवल माता-पिता के कंधों पर ही रहनी चाहिए?

यह कहानी केवल एक पिता के महान प्रेम और बेटी की शैक्षणिक सफलता की नहीं, बल्कि उस संकल्प की भी है, जो असंभव दिखाई देने वाली परिस्थितियों में भी उम्मीद का रास्ता बना देता है। सुनकोजू वेंकटचारी वास्तव में सम्मान के अधिकारी हैं और शिवानी उन बेटियों के लिए प्रेरणा हैं, जो कठिनाइयों के बावजूद अपने सपनों को साकार करने का साहस रखती हैं। पिता के कंधों पर शुरू हुआ यह सफर आज बेटी की सफलता के साथ पूरे समाज के लिए गर्व और प्रेरणा की मिसाल बन गया है।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, बस खाई में पलटी, 1 की मौत और 35 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



उत्तर प्रदेश में तीन अलग-अलग सड़क हादसों में कई लोगों की मौत और दर्जनों लोगों के घायल होने की सूचना है. लखनऊ में यात्रियों से भरी बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर खाई में पलट गई, जिसमें करीब 35 लोग घायल हुए. मुजफ्फरनगर में कार के डिवाइडर से टकराकर पलटने और आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई. उत्तर प्रदेश में तीन अलग-अलग जगहों पर हुए सड़क हादसों में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं. लखनऊ में यात्रियों से भरी बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई. बस में बच्चों समेत कई यात्री सवार थे और हादसे में करीब 35 लोगों के घायल होने की सूचना है. वहीं, मुजफ्फरनगर में एक कार डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई और उसमें आग लग गई. हादसे में कार सवार पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई. इसके अलावा चित्रकूट में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हुए हैं.लखनऊ में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई. बस में बच्चों समेत कई यात्री सवार थे. हादसे में करीब 35 लोगों के घायल होने की सूचना है. बस को खाई से बाहर निकालने और यात्रियों को रेस्क्यू करने के लिए जेसीबी की मदद ली जा रही है.

पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन संभाल लिया है. हादसे में कई यात्रियों के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है. घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया जा रहा है. यह बस राजस्थान के भिवाड़ी से बिहार के सिवान जा रही थी. हादसा पारा थाना क्षेत्र में हुआ. फिलहाल हादसे में हताहतों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. मुजफ्फरनगर में भी एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ. यहां अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई. पलटने के बाद कार में आग लग गई. हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई. बताया गया है कि कार सवार हरियाणा से हरिद्वार जा रहे थे. हादसा तितावी थाना क्षेत्र में हुआ.

मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरनगर में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया है. उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं. साथ ही मृतकों के परिजनों से संवाद कर उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं.

चित्रकूट में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी

चित्रकूट में दीपदान कर वापस लौट रहे श्रद्धालुओं को लेकर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई. हादसा झांसी-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ. इस हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 12 लोग घायल हुए हैं. इनमें पांच लोगों की हालत गंभीर बताई गई है.

यह हादसा रैपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे पर रामनगर के पास हुआ. बताया गया कि ट्रैक्टर से ट्रॉली का हुक निकलने के कारण यह हादसा हुआ. डीएम पुलकित गर्ग और एसपी अरुण सिंह के मुताबिक, गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को इलाज के लिए प्रयागराज रेफर किया गया है, जबकि सात लोगों का इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया जा रहा है.

4000 का पेट्रोल भरवाने के बाद फरार हुए, सेल्समेन ने रोका तो घसीटते हुए ले गए, CCTV में कैद हुई हैवानियत

लखनऊ में थाना गोसाईगंज में एक पेट्रोल पंप एक कार में 4 हजार का पेट्रोल भरवाने के बाद फरार हो गई। आरोपी सेल्समेन को भी कुछ दूरी तक घसीटते रहे।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ: लखनऊ में पेट्रोल पंप से पेट्रोल भरवाने के बाद पैसे देने की जगह सेल्समेन को घसीटने का मामला सामने आया है। ?घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। घटना थाना गोसाईगंज की है। जो कि सुबह की बताई जा रही है। आरोपियों ने पहले पेट्रोल भरवाया इसके बाद भागने लगे। जब सेल्समेन ने रोकना चाहा तो आरोपियों ने सेल्समेन का ही हाथ पकड़ लिया और करीब एक किलोमीटर तक हाईवे पर घसीटते रहे। घायल कर्मचारी को सड़क पर छोड़कर आरोपी फरार हो गए। अब इस घटना का सीसीटीवी फुटेज वायरल हो रहा है।

500 मीटर की दूरी पर छोड़ा

पुलिस के अनुसार सुबह एक कार पेट्रोल पंप पर आई और 4 हजार का पेट्रोल भरवाया। जब सेल्समेन ने पैसे मांगे तो वे भागने लगे। सेल्समेन ने रोका तो उन्होंने सेल्समेन का हाथ पकड़ लिया और आगे तक घसीटते रहे। आगे जाकर करीब 500 मीटर की दूरी पर उसे छोड़ दिया। जिससे सेल्समेन घायल हो गया।पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। इसके लिए पुलिस टीमें जांच में जुटी हैं।

डीसीपी साउथ मोहम्मद मुश्ताक ने बताया कि गोसाईगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक पेट्रोल पंप के मैनेजर ने शिकायत दर्ज कराई कि आज सुबह लगभग 4 बजकर 20 मिनट पर कार में सवार कुछ अज्ञात लोगों ने अपनी गाड़ी में 4000 रुपये का ईंधन भरवाया। उन्होंने भुगतान किए बिना जाने की कोशिश की, जिस पर सेल्समैन ने बीच-बचाव किया और उसके साथ एक घटना घटी।

बताया कि संबंधित कानूनी धाराओं के तहत तुरंत मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है। सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली गई है और हमारी टीमें उन्हें पकड़ने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही हैं।

कन्नौज में दिवाली की रात BJP विधायक के भाई की गोली मारकर हत्या, कांग्रेस जिला महासचिव पर लगा आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



यूपी के कन्नौज जिले में दीपावली की रात छिबरामऊ कोतवाली के पास बीजेपी विधायक अर्चना पांडे के पारिवारिक भाई और अधिवक्ता अनुज कुमार चतुर्वेदी की गोली मारकर हत्या कर दी गई. आरोप कांग्रेस जिला महासचिव अमूल दीक्षित पर है, जिसने चुनावी रंजिश में चार राउंड फायर किए. पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार समेत 5 टीमें फरार आरोपी की तलाश में जुटी हैं. उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में दीपावली की रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है. चुनावी रंजिश के चलते बीजेपी विधायक अर्चना पांडे के पारिवारिक भाई और अधिवक्ता अनुज कुमार चतुर्वेदी की गोली मारकर हत्या कर दी गई. इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है और दीपावली की खुशियां मातम में बदल गईं. मुख्य आरोपी कांग्रेस जिला महासचिव अमूल दीक्षित बताया जा रहा है जो घटना के बाद से फरार है. पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए कुल पांच टीमों का गठन किया है.

दीपावली की रात हुई खूनी वारदात

आपको बता दें कि जिले में दीपावली की रात छिबरामऊ कोतवाली के पास अधिवक्ता अनुज कुमार चतुर्वेदी की गोली मारकर हत्या कर दी गई. मृतक भाजपा विधायक अर्चना पांडे का पारिवारिक भाई था. इस सनसनीखेज वारदात को कांग्रेस के जिला महासचिव अमूल दीक्षित ने अंजाम दिया जिस पर चार राउंड फायरिंग करने का आरोप है.

पुरानी रंजिश और जमीन विवाद बना वजह

हत्या के पीछे की मुख्य वजह चुनावी रंजिश और जमीन का विवाद बताई जा रही है जिसकी फिलहाल आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है. मृतक के भाई धीरज चतुर्वेदी ने बताया कि आरोपी अमोल दीक्षित का उनके छोटे भाई से झगड़ा हुआ था और उसे थप्पड़ मारा गया था. जब अनुज इस बात का विरोध करने गए तो आरोपी ने पिस्तौल निकालकर चार राउंड गोलियां चला दीं. यह घटना शाम करीब साढ़े छह बजे थाने के सामने वाली गली में हुई जिसमें वकील अनुज कुमार चतुर्वेदी की मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस फरार आरोपी की तलाश में लगातार दबिश दे रही है और सबूत जुटाने में जुटी है.

डिवाइडर से टकराकर पलटी कार में लगी आग, छह लोगों की जिंदा जलकर मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुजफ्फरनगर में फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराने के बाद बिजली के खंभे से भिड़ गई. टक्कर के बाद कार में भीषण आग लग गई, जिसमें सवार छह लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, सभी मृतक हरियाणा के नारनौल के पास के रहने वाले थे. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे का संज्ञान लेकर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए हैं.

यूपी के मुजफ्फरनगर में एक ऐसा दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसने हर किसी को झकझोर दिया.तितावी थाना क्षेत्र में फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराई और फिर बिजली के खंभे से जा भिड़ी. टक्कर के बाद कार में अचानक आग लग गई.देखते ही देखते आग ने कार को अपनी चपेट में ले लिया. इस भीषण हादसे में कार सवार छह लोगों की मौके पर ही जलकर मौत हो गई. हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया.

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, कार सवार लोग हरियाणा से शामली होते हुए मुजफ्फरनगर की ओर से गुजर रहे थे. इसी दौरान तितावी थाना क्षेत्र के फ्लाईओवर पर यह हादसा हो गया.तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हुई और डिवाइडर से टकराने के बाद बिजली के खंभे से जा भिड़ी. टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में आग लग गई.आग ने कुछ ही देर में पूरे वाहन को घेर लिया.कार के अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल सका.

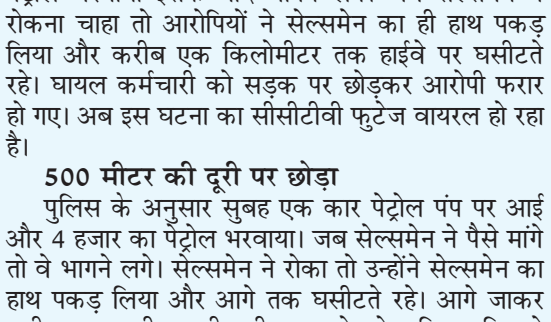
हरियाणा के नारनौल के पास के रहने वाले बताए जा रहे मृतक

एसपी ग्रामीण अक्षय संजय महाडिक ने बताया कि शुरुआती जानकारी में मृतकों का संबंध हरियाणा के नारनौल के पास स्थित राखीखाक गांव से सामने आया है. हालांकि, अभी तक मृतकों के बीच पारिवारिक संबंध होने की पुष्टि नहीं हुई है. प्रथमदृष्टया सभी लोग आपस में दोस्त प्रतीत हो रहे हैं. पुलिस मृतकों की पहचान और उनके आपसी संबंधों के बारे में जानकारी जुटा रही है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे का लिया संज्ञान

मुजफ्फरनगर में छह लोगों की मौत की खबर सामने आने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हादसे का संज्ञान लिया. मुख्यमंत्री ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से मृतकों के परिजनों से संवाद स्थापित करने और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराने को भी कहा है. प्रशासन को हादसे के बाद जरूरी राहत एवं सहायता संबंधी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं.

चेन पुलिंग से रोका तो TTE की कर दी पिटाई, तोड़ दिया हैंड-हेल्ड टर्मिनल



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद से आसनसोल जा रही ट्रेन में यात्रियों की दबंगई का मामला सामने आया है. ललितपुर से ट्रेन रवाना होने के बाद यात्रियों ने दो बार अलार्म चेन खींच दी. कोच में विवाद सुलझाने पहुंचे ड्यूटी पर तैनात TTE राम सजीवन यादव के साथ तीन यात्रियों ने कथित तौर पर मारपीट की और उनका हैंड-हेल्ड टर्मिनल तोड़ दिया. रेलवे के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि शनिवार रात ट्रेन के तीन यात्रियों को ड्यूटी पर तैनात TTE (ट्रेन टिकट परीक्षक) के साथ मारपीट करने और उनके हैंड-हेल्ड टर्मिनल (HHT) को नुकसान पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. एक एजेंसी के मुताबिक TTE यात्रियों के बीच हुए विवाद को सुलझाने के लिए कोच के अंदर गए थे, तभी कुछ यात्रियों ने उन पर हमला कर दिया.

रेलवे अधिकारी प्रदीप सुदेले ने बताया कि अहमदाबाद से आसनसोल जा रही ट्रेन संख्या 19435, शनिवार रात 11:09 बजे ललितपुर से रवाना हुई. इसके कुछ ही देर बाद, कुछ यात्रियों ने दो बार अलार्म चेन खींच दी. एक कोच में यात्रियों के बीच विवाद की सूचना मिलने पर, ड्यूटी पर तैनात TTE राम सजीवन यादव स्थिति का जायजा लेने और जरूरी कार्रवाई करने के लिए उस कोच में गए.

चेन पुलिंग के चलते देर से पहुंची ट्रेन

इस दौरान, कोच में मौजूद तीन यात्रियों ने कथित तौर पर उनके साथ मारपीट की और उनके हैंड-हेल्ड टर्मिनल (HHT) को नुकसान पहुंचा दिया, जिसका इस्तेमाल वे अपनी आधिकारिक ड्यूटी के लिए कर रहे थे. घटना के बाद, राजकीय रेलवे पुलिस (GRP) की एक टीम मौके पर पहुंची और मारपीट में शामिल तीनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया.

उन्होंने बताया कि इस घटना के कारण ट्रेन 54 मिनट की देरी से चली और शनिवार-रविवार की दरमियानी रात 12:05 बजे अपनी यात्रा फिर से शुरू कर सकी.

कटनी के बरही कस्बे में तीन मंजिला इमारत में लगी आग, 5 घंटे चला रेस्क्यू, दो बुजुर्गों और तीन बच्चों समेत छह की गई जान

कटनी के बरही कस्बे में दीपावली की रात क्रॉकरी दुकान और उसके ऊपर बने मकान में भीषण आग लगने से दो बच्चों समेत छह लोगों की मौत हो गई। दीपावली की रात हुए इस हादसे से इलाके में कोहराम मचा हुआ है। इस हादसे में सिर्फ दो ही लोग जिंदा बच पाए हैं।



मध्य प्रदेश के कटनी जिले के बरही कस्बे में दीपावली की रात क्रॉकरी दुकान और मकान में लगी भीषण आग(फोटो- नवभारतटाइम्स.कॉम)

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कटनी: जिले के बरही कस्बे से एक अत्यंत हृदयविदारक घटना सामने आई है। जिला मुख्यालय से करीब 55 किलोमीटर दूर स्थित बरही में दीपावली की रात एक बड़े अग्निकांड ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। रात करीब 11:30 बजे पूरन अग्रवाल और रितेश अग्रवाल की स्थानीय क्रॉकरी दुकान में अचानक भीषण आग भड़क उठी। दुकान के ठीक ऊपर ही परिवार का आवासीय मकान था, जिसके कारण कुछ ही पलों में आग ने पूरी तीन मंजिला इमारत को अपनी आगोश में ले लिया।

धुएं और लपटों के बीच घुट गया दम

घटना के समय परिवार के सभी सदस्य इमारत के ऊपरी हिस्सों में गहरी नींद में सो रहे थे। आग इतनी तेजी से फैली और धुएं का गुबार इतना घना था कि अंदर फंसे लोगों को घर से बाहर निकलने का रास्ता तक नहीं मिला। इस भीषण हादसे में परिवार के 6 सदस्यों की जान चली गई। मृतकों में दो बुजुर्ग, एक महिला और तीन मासूम बच्चे शामिल हैं। हालांकि, इस दर्नादक हादसे के बीच एक पुरुष और एक महिला किसी तरह जान बचाने में सफल रहे, जिन्हें इस बात का गहरा सदमा है कि वे चाहकर भी अपनों को नहीं बचा सके।

5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल ने पाया काबू

आधी रात को अचानक लगी इस आग से पूरे बाजार और कस्बे में अफरा-तफरीमच गई। स्थानीय लोग तुरंत मौके पर दौड़े और अपने स्तर पर पानी डालकर आग बुझाने तथा अंदर फंसे लोगों को निकालने का प्रयास करने लगे। स्थिति की भयावहता को देखते हुए तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। राहत और बचाव कार्य के लिए नगर परिषद बरही के अलावा विजयराघवगढ़, कैमोर और कटनी नगर निगम से भी दमकल वाहनों को बुलाया गया। दमकलकर्मियों को आग पर पूरी तरह काबू पाने में करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और छह लोगों की सांसें थम चुकी थीं।

आग के कारणों का लगाया जा रहा पता

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। एसडीओपी वीरेंद्र धार्वे ने मीडिया को जानकारी दी कि आग ने इमारत की तीसरी मंजिल को भी अपनी पूरी तरह चपेट में ले लिया था, जिससे यह बड़ा जानी नुकसान हुआ। फिलहाल पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीमें इस बात की गहन जांच कर रही हैं कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी। इस दर्दनाक हादसे के बाद से पूरे बरही कस्बे में शोक की लहर है और दीपावली का पर्व मातम में डूब गया है।

सिवनी के छपारा में सर्राफा व्यापारी के घर भीषण आग, एक ही परिवार की 4 महिलाओं समेत 6 जिंदा जले

सिवनी जिले के छपारा में दीपावली की रात सर्राफा व्यापारी के तीन मंजिला मकान में भीषण आग लगने से एक ही परिवार के 6 सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई।

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सिवनी: जिले के छपारा कस्बे से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां के महावीर वार्ड स्थित जैन मोहल्ले में दीपावली की रात जश्न और उल्लास का माहौल उस वक्त चीख-पुकार में बदल गया, जब एक जाने-माने सर्राफा (बुलियन) व्यापारी के तीन मंजिला मकान में अचानक भीषण आग भड़क उठी। इस दर्दनाक अग्निकांड में परिवार के 6 सदस्यों की जलने और दम घुटने से दर्दनाक मौत हो गई, जिसमें 4 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं।

नींद में थे लोग, संभलने का नहीं मिला मौका

प्रत्यक्षदर्शियों और प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, यह हादसा सोमवार तड़के करीब 3 बजे के आसपास हुआ। जब पूरा इलाका गहरी नींद में था, तब सर्राफा व्यापारी कुंदन सोनी के मकान के निचले हिस्से से अचानक लपटें उठनी शुरू हुईं। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही पलों में उसने पूरे तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के वक्त घर के अंदर कुल 10 लोग मौजूद थे। आग और धुएं के गुबार के कारण अंदर सो रहे लोगों को संभलने या बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला।

स्थानीय लोगों की कोशिशें और रेस्क्यू ऑपरेशन

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाने तथा अंदर फंसे लोगों को निकालने का प्रयास किया। इसके बाद सूचना पाकर पुलिस और दमकल विभाग की टीमें भी तत्काल मौके पर पहुंच गईं। राहत एवं बचाव दल ने कड़ी मशक्कत के बाद घर के अंदर फंसे 10 में से 4 लोगों को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन गंभीर रूप से झुलसे और दम तोड़ चुके 6 अन्य सदस्यों को बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मातम में डूबा पूरा छपारा कस्बा

इस भयावह हादसे के बाद से पूरे छपारा क्षेत्र और जैन मोहल्ले में दीपावली की खुशियां पूरी तरह काफूर हो गई हैं और शोक की लहर दौड़ गई है। प्रशासन यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि आग लगने की असल वजह शॉर्ट सर्किट थी या फिर दिवाली के दीये से कोई चिंगारी इस बड़ी तबाही का कारण बनी। पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर मौजूद है और नुकसान तथा कारणों की बारीकी से जांच की जा रही है।

84908दिल्ली में दिवाली पर दर्दनाक हादसा, पेट में रॉकेट लगने से 10 साल के बच्चे की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



दिल्ली में दिवाली पर आतिशबाजी के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया, जहां रॉकेट लगने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। बेटे की अचानक मौत से गमगीन पिता की भी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद परिजनों ने अस्पताल पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया. दिल्ली में दिवाली की खुशियां एक परिवार के लिए मातम में बदल गईं. पटाखे जलाते समय 10 साल का बच्चा हादसे का शिकार हो गया. रॉकेट सीधे उसके पेट में जा लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. बच्चे की मौत के बाद परिवार के लोगों ने अस्पताल में हंगामा किया. उन्होंने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है. यह घटना बाहरी दिल्ली के नरेला थाना क्षेत्र की राजीव कॉलोनी की है. परिजनों के मुताबिक, रविवार को दिवाली पर पूजा-पाठ के बाद परिवार के लोग पटाखे जला रहे थे. इसी दौरान बच्चा भी रॉकेट छोड़ रहा था. बताया गया है कि रॉकेट आसमान में जाने के बजाय बच्चे के पेट में जा लगा. इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया.

हादसे के बाद परिजन बच्चे को आनन-फानन में नरेला के राजा हरिश्चंद्र अस्पताल लेकर पहुंचे. वहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया. इस बात पर परिजन भड़क गए. उनका आरोप है कि अस्पताल में लापरवाही के चलते उनके बच्चे की जान नहीं बच सकी. इसी को लेकर अस्पताल में हंगामा हुआ.

बच्चे की मौत की खबर सुनकर पिता की बिगड़ी तबीयत

बच्चे की मौत की खबर सुनकर अस्पताल पहुंचे उसके पिता की तबीयत भी बिगड़ गई. जिस घर में दिवाली की खुशियां मनाई जा रही थीं, वहां अब मातम पसरा है. पुलिस ने बच्चे का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. मामले की जांच हो रही है.

03559

महाराष्ट्र: NCP विलय की अटकलों के बीच शरद पवार से मिलेंगे उद्धव ठाकरे, पार्थ भी कर चुके हैं मुलाकात

NCP के दोनों गुटों के विलय की अटकलों के बीच आज उद्धव ठाकरे शरद पवार से मुलाकात करेंगे. इधर सुनेत्रा पवार के बड़े बेटे और राज्यसभा सांसद पार्थ पवार ने भी लगातार दो दिनों में दो बार पवार से मुलाकात की.



महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र: NCP विलय की अटकलों के बीच शरद पवार से मिलेंगे उद्धव ठाकरे, पार्थ भी कर चुके हैं मुलाकात

5 मुख्य बातें

लगातार दूसरे दिन शरद पवार से मिले पार्थ पवार

दोनों के बीच करीब दो घंटे तक हुई बातचीत

प्रफुल्ल पटेल भी शरद पवार से कर सकते हैं मुलाकात

उद्धव ठाकरे आज सिल्वर ओक बंगले जाएंगे

NCP के दोनों गुटों के विलय की अटकलें तेज

महाराष्ट्र में NCP और NCP (SP) के विलय को लेकर लगातार अटकलें लगाई जा रही है. हालांकि अभी तक दोनों ही पार्टियों के किसी भी नेता ने इसको लेकर खुलकर बात नहीं. दोनों NCP के विलय की सुगबुगाहट के बीच आज (सोमवार) शिवसेना (BT) प्रमुख उद्धव ठाकरे सिल्वरओक बंगले पर जाकर शरद पवार से मुलाकात करेंगे. इसके पहले सांसद संजय राउत और शिवसेना यूबीटी के दूसरे नेता भी शरद पवार से मिलकर उनकी सेहत का हालचाल पूछ चुके हैं.

इस बीच सूबे की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के बड़े बेटे और राज्यसभा सांसद पार्थ पवार ने रविवार (8 नवंबर) को अपने दादा और NCP (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार से मुंबई स्थित उनके आवास सिल्वर ओक बंगले पर लगातार दूसरे दिन मुलाकात की. इस मुलाकात के बाद NCP के दोनों गुटों के एक बार फिर विलय की अटकलें तेज हो गई हैं.

शरद पवार से मिले पार्थ पवार

जानकारी के मुताबिक पार्थ पवार ने वरिष्ठ नेता शरद पवार के साथ रविवार को करीब दो घंटे तक चर्चा की. इससे पहले शनिवार को भी दोनों के बीच लगभग दो घंटे की मुलाकात हुई थी.वहीं इसके बाद रविवार शाम को शरद पवार और NCP (शरदचंद्र पवार) के वरिष्ठ नेताओं के बीच अलग से बैठक हुई.

शरद पवार के घर नेताओं का जमावड़ा

हालांकि सभी नेता जो शरद पवार मिलने जा रहे हैं उनका कहना है कि वो उनके स्वास्थ्य का हालचाल जानने के लिए पहुंचे हैं . शरद पवार शनिवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल से डिस्चार्ज हुए थे. उन्हें ब्रोंकाइटिस, छाती में संक्रमण और खांसी की समस्या थी. जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था. अब उनकी हालत स्थिर है.

कल शरद पवार से मिलगें प्रफुल्ल पटेल

इधर शरद पवार के साथ इन लगातार हो रही मुलाकातों के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में NCP के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर चर्चाएं फिर तेज हो गई हैं. बताया रहा है कि कल (मंगलवार) NCP (अजित पवार) के नेशनल वर्किंग प्रेसिडेंट और सांसद प्रफुल्ल पटेल शरद पवार के घर जाकर उनसे मुलाकात कर सकते हैं. इससे पहले प्रफुल्ल पटेल अस्पताल में भी पवार से मिलने गए थे. दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई थी.

दिवाली की आतिशबाजी के बाद धुएं वाली सुबह, AQI 400 के पार, सांसों का आफतकाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिवाली के बाद सोमवार सुबह दिल्ली-NCR की हवा बेहद खराब हो गई. दिल्ली का औसत AQI 366 दर्ज किया गया, जबकि 15 मॉनिटरिंग स्टेशनों पर AQI 400 के पार पहुंच गया. सोनिया विहार में सबसे ज्यादा 449 AQI दर्ज हुआ. घने स्मॉग और कोहरे से कई इलाकों में विजिबिलिटी भी कम रही. दिवाली के बाद सोमवार सुबह दिल्ली-एनसीआर की हवा बेहद खराब हो गई. रविवार को दिवाली के मौके पर लोगों ने जमकर पटाखे जलाए, जिसके बाद सोमवार सुबह राजधानी के कई इलाकों में धुंध और प्रदूषण की मोटी चादर देखने को मिली. कई जगहों पर हवा की गुणवत्ता गंभीर कैटेगरी में पहुंच गई. घने स्मॉग के कारण सुबह के समय कई इलाकों में विजिबिलिटी भी काफी कम रही.

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के सोमवार सुबह 7 बजे के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का औसत



AQI करीब 368 दर्ज किया गया. इस दौरान 54 मॉनिटरिंग स्टेशनों के आंकड़े उपलब्ध रहे, जिनमें 15 स्टेशनों पर AQI 400 के पार रहा. सोनिया विहार और बुराड़ी क्रॉसिंग में सबसे ज्यादा 441 AQI दर्ज किया गया. इसके अलावा विवेक विहार में 437, DTU में 434 और जहांगीरपुरी तथा नॉर्थ कैंपस में 433 AQI रिकॉर्ड किया गया.

दिल्ली के कई अन्य इलाकों में भी हवा की स्थिति गंभीर रही. रोहिणी में AQI 430, बवाना में 424, चांदनी चौक में 418, पटपड़गंज में 418, मुंडका में 417 और पंजाबी बाग में 409 AQI दर्ज किया गया. ITO में AQI 407 और कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 402 रहा. वहीं नरेला में AQI 379, वजीरपुर में 365, आरके पुरम में 364, लोधी रोड में 370 और मंदिर मार्ग में 369 दर्ज किया गया.

इन इलाकों में भी हवा खराब

दक्षिण और मध्य दिल्ली के कुछ इलाकों में भी हवा खराब रही. ओखला फेज-2 में AQI 353, JNU में 346, आईजीआई एयरपोर्ट टी3 में 301 और आनंद विहार में 335 AQI दर्ज किया गया. श्री अरबिंदो मार्ग में AQI 267 और कैंटोनमेंट एरिया में 293 रहा. IGNOU मैदान गढ़ी में सबसे कम 247 AQI दर्ज किया गया. स्टेशन के हिसाब से देखें तो 15 मॉनिटरिंग स्टेशनों पर AQI 401 से 500 के बीच यानी गंभीर श्रेणी में रहा. 35 स्टेशन 301 से 400 के बीच यानी बेहद खराब श्रेणी में रहे, जबकि 4 स्टेशन 201 से 300 के बीच खराब श्रेणी में दर्ज किए गए. सोनिया विहार, बुराड़ी, विवेक विहार, जहांगीरपुरी, रोहिणी और DTU जैसे इलाकों में AQI 430 से ऊपर रहा. वहीं दिल्ली के कुछ केंद्रीय इलाकों में AQI 300 के आसपास से 400 के बीच दर्ज किया गया.

नोएडा-गाजियाबाद में भी खराब हवा

दिल्ली से सटे नोएडा और गाजियाबाद में भी प्रदूषण का स्तर बढ़ा हुआ है. सुबह 5 बजे सेक्टर-62, नोएडा में AQI 404 दर्ज किया गया. सेक्टर-1 में 324, सेक्टर-39 में 314 और ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-V में 335 AQI रहा. गाजियाबाद के वसुंधरा में AQI 395, वेव सिटी में 390, लोनी में 377 और इंदिरापुरम में 333 दर्ज किया गया. नॉलेज पार्क-III, ग्रेटर नोएडा में AQI 296 रहा.

घने कोहरे को लेकर अलर्ट

दिल्ली में प्रदूषण के साथ घने कोहरे का भी असर देखने को मिल रहा है. मौसम विभाग (IMD) ने दिल्ली के कई जिलों में घने से बहुत घने कोहरे की चेतावनी दी है. दक्षिण-पूर्वी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और शाहदरा में खास सतर्कता की जरूरत बताई गई है. घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी तेजी से कम होने की आशंका है.

नीचे किराना दुकान, ऊपर सो रहा था परिवार... दीपावली की रात आग ने बुझा दिए 6 चिराग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र के धाराशिव जिले के येडशी गांव में दीपावली की रात भीषण आग ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं. सोमवार रात करीब ढाई बजे किराना दुकान में लगी आग ऊपरी मंजिल पर बने मकान तक पहुंच गई. हादसे में एक ही परिवार के छह सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कृष्णा नाम की महिला बच गई.



महाराष्ट्र के धाराशिव जिले के येडशी गांव में दीपावली की रात एक हृदयविदारक हादसा हुआ. सोमवार की मध्यरात्रि करीब ढाई बजे एक किराना दुकान में भीषण आग लग गई. जिससे दुकान के ऊपर स्थित मकान में रह रहे एक ही परिवार के छह सदस्यों की इस हादसे में दर्दनाक मौत हो गई. इस घटना से पूरे गांव में शोक व्याप्त है.

मृतकों की पहचान उत्तम त्र्यंबक करंडे, चंद्रकला उत्तम करंडे, गोविंद उत्तम करंडे, ज्योति गोविंद करंडे, गायत्री गोविंद करंडे और सिद्धि गोविंद करंडे के रूप में हुई है. बताया जाता है कि आग मध्यरात्रि में लगी और देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया. प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के अनुसार येडशी गांव में गोविंद भाऊ करंडे और उत्तम करंडे की किराना दुकान में अचानक आग लग गई.

दुकान के ऊपरी हिस्से में करंडे परिवार रहता था. रात का समय होने के कारण परिवार के सदस्यों को संभलने का अवसर नहीं मिला. देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दुकान का सामान व ऊपरी मंजिल पर स्थित मकान आग की चपेट में आ गया. इस हादसे में घर में मौजूद कुल 7 लोगों में से 6 की मौत हो गई. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दो लोगों की झुलसने से, जबकि चार लोगों की दम घुटने से मृत्यु हुई है. परिवार की कृष्णा नामक एक सदस्य इस हादसे में बच गई. उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

दमकल कर्मियों ने आग बुझाने के लिए की मशक्कत

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय नागरिकों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया. धाराशिव, कलंब और तुलजापुर से दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं. आग पर काबू पाने और मकान में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए दमकल कर्मियों ने काफी प्रयास किए. हालांकि, इस दुर्घटना में छह लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी.

फिलहाल आग लगने का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है. प्रारंभिक तौर पर घर में जलाए गए दीपक से आग लगने की आशंका जताई जा रही है. पुलिस और प्रशासन की ओर से मामले की जांच की जा रही है.

विधायकों ने घटनास्थल का किया निरीक्षण

हादसे की जानकारी मिलते ही विधायक राणा जगजीतसिंह पाटिल और विधायक कैलास पाटिल ने सुबह घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने संबंधित अधिकारियों से घटना की जानकारी ली. करंडे परिवार के छह सदस्यों की मौत से येडशी गांव में शोक की लहर है. घटना के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए गांव के व्यापारियों ने बाजारपेठ बंद रखने का निर्णय लिया है. वहीं सभी छह मृतकों का अंतिम संस्कार सोमवार, 9 नवंबर 2026 को दोपहर 2 बजे येडशी स्थित सार्वजनिक श्मशानभूमि में किया जाएगा. दीपावली जैसे आनंद के पर्व पर एक ही परिवार के छह सदस्यों की असमय मृत्यु से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है. इस हृदयविदारक घटना से हर कोई स्तब्ध है.

सनातन सम्राट जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज का जन्मोत्सव नई दिल्ली में धूमधाम से संपन्न; कार्यकर्ताओं की भावना का मान रख ब्रुसेल्स यात्रा की निरस्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली, । राजधानी नई दिल्ली स्थित हिन्दू महासभा भवन में दीपावली के पावन पर्व पर अखिल भारत हिन्दू महासभा एवं संत महासभा के संयुक्त तत्वावधान में सनातन सम्राट जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज का जन्मोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास, भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया गया। देश-विदेश से पहुँचे पदाधिकारियों, संतों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में यह आयोजन एक ऐतिहासिक उत्सव में तब्दील हो गया। कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. इंदिरा तिवारी जी द्वारा किया गया।

क्रांतिवीर मंगल पांडे की भूमि से जुड़ी है विरासत

कार्यक्रम के दौरान डॉ. इंदिरा तिवारी जी ने स्वामी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कार्तिक अमावस्या और दीपावली के पावन दिन दोपहर 12:00 बजे जन्में स्वामी चक्रपाणि जी महाराज की जन्मभूमि उत्तर प्रदेश का ऐतिहासिक बलिया जिला है, जो महान क्रांतिकारी मंगल पांडे की पावन धरा है। उनके दादाजी श्री चंद्रिका प्रसाद जी 1942 के स्वतंत्रता आंदोलन के महान सेनानी थे, जिनके नेतृत्व में बलिया ने देश की आज़ादी से पहले ही अंग्रेजों को खदेड़कर स्वयं को स्वतंत्र घोषित किया था। डॉ. तिवारी ने कहा कि स्वामी जी के व्यक्तित्व में क्रांति की विरासत, तप का तेज और सनातन के प्रति अटूट निष्ठा का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

हवन-पूजन और 17 किलो के भगवा केक से गूँजा सभागार

जन्मोत्सव का शुभारंभ प्रातःकालीन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन और श्री चक्रेश्वर हिन्देश्वर महादेव के



पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 17 किलो का विशेष भगवा रंग का केक रहा, जिसके शीर्ष पर सनातन का प्रतीक छत्र सुशोभित था। दिल्ली प्रदेश प्रभारी श्री विजय कृष्ण पांडे जी और श्रीमती रेखा पांडे जी द्वारा अर्पित इस केक को स्वामी जी ने सभी कार्यकर्ताओं को समर्पित किया।

इस अवसर पर स्वामी जी ने अपने संबोधन में हँसते हुए कहा कि आज केक का भी 'भगवाकरण' हो गया है, और इसी प्रकार पूरे विश्व का भगवाकरण होना चाहिए ताकि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का भाव जागृत हो और मानवता विरोधी ताकतों का अंत हो सके। हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष श्री जगविजय जी की ओर से उपस्थित जनसमुदाय के लिए भव्य भंडारे की विशेष व्यवस्था की गई थी।

कार्यकर्ताओं के प्यार के खातिर ठुकराई ब्रुसेल्स की अंतरराष्ट्रीय यात्रा

अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राजेश रैना एडवोकेट ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण खुलासा करते हुए बताया कि 8 और 9 नवंबर को बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में स्वामी जी का उच्चस्तरीय अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम निर्धारित था, जहाँ उन्हें वहाँ के राष्ट्राध्यक्षों और प्रधानमंत्री के समक्ष विशेष संबोधन देना था। परंतु, अपने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए स्वामी जी ने इस प्रतिष्ठित विदेश यात्रा को सहर्ष ठुकरा दिया और दिल्ली में अपने लोगों के बीच रहना पसंद किया। वक्ताओं ने इसे स्वामी जी के संगठन प्रेम और निस्वार्थ समर्पण की पराकाष्ठा बताया।

देश-विदेश में गूँजी सनातन चेतना और दिग्गजों की उपस्थिति

कार्यक्रम में कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष श्री मनोज अलुंगल, तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष श्री टी. बालसुब्रमण्यम, संत महासभा के राष्ट्रीय सचिव स्वामी श्रीराम जी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। साथ ही कनाडा, नेपाल, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और रूस सहित दुनिया भर के विभिन्न देशों से भक्तों ने वर्चुअल माध्यम से स्वामी जी को जन्मोत्सव की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। जूना अखाड़े के संरक्षक पूज्य श्री हरि गिरि जी महाराज ने भी दूरभाष के माध्यम से स्वामी जी को बधाई एवं आशीर्वाद दिया।

'एक रहो, सनातन की पताका लहराओ ': स्वामी चक्रपाणि जी का संदेश

अपने आशीर्वाद व उद्बोधन में जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने वेदों और उपनिषदों के मंत्रों का स्मरण कराते हुए सम्पूर्ण समाज को एकता का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि जब हिन्दू समाज एकजुट होगा, तभी राष्ट्र सशक्त बनेगा और विश्व में वास्तविक शांति स्थापित होगी। अंत में उन्होंने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की मंगलकामना के साथ अपने आशीर्वचन को विराम दिया, जिससे पूरा सभागार 'जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि महाराज की जय' के नारों से गूँज उठा।

मुंबई पहुंची दूसरी ऑटोमैटिक दरवाजे वाली नॉन AC लोकल ट्रेन, पहली वाली को वापस भेजा जाएगा चेन्नई, जानें वजह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई लोकल में यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए ऑटोमैटिक दरवाजों वाली दूसरी नॉन-एसी ट्रेन मुंबई पहुंच गई है। तकनीकी खामियां दूर करने के बाद अब इसके विभिन्न ट्रायल होंगे। फिटनेस सर्टिफिकेट मिलने के बाद ही इसे यात्री सेवा में शामिल किया जाएगा।

हाइलाइट्स

ऑटोमैटिक दरवाजों वाली दूसरी नॉन-एसी लोकल मुंबई पहुंची

तकनीकी खामियां दूर करने के लिए चेन्नई भेजी गई थी ट्रेन

अलग-अलग स्पीड पर ट्रेन का होगा सुरक्षा और तकनीकी परीक्षण

फिटनेस सर्टिफिकेट मिलने के बाद ही शुरू होगी यात्री सेवा

मुंबई लोकल में यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए बंद दरवाजों वाली नॉन-एसी लोकल चलाने की योजना पर काम आगे बढ़ रहा है। मध्य रेलवे के बेड़े में तकनीकी सुधार के बाद दूसरी ऑटोमैटिक दरवाजों वाली नई नॉन-एसी लोकल पहुंच गई है। इस लोकल ट्रेन की मध्य प्रदेश में जांच की जा रही थी। कमियां पाई जाने पर उसे सुधार के लिए चेन्नई भेजा गया था। अब इसे दुरुस्त करके अब मुंबई भेजा गया है। बता दें की जो अप्रैल में पहली बंद दरवाजे वाली एसी लोकल आई थी उसमें भी खामियां पाई गई थी। इसलिए उसे यहां पर खड़ा करके रखा गया था । जांच करने के लिए जगह नहीं थी। इसलिए उसे अब फिर से चेन्नई भेज दिया



जाएगा। यह भी बंद दरवाजे वाली एसी लोकल ही थी। नई लोकल की एक बार फिर अलग-अलग तरह की जांच की जाएगी।

क्यों लिया गया था फैसला

दरअसल, 9 जून 2025 को दिवा और मुंब्रा स्टेशन के बीच हुए रेल हादसे में पांच यात्रियों की मौत हो गई थी, जबकि कई यात्री चलती ट्रेन से गिर गए थे। इस हादसे के बाद लोकल में यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए बंद दरवाजों वाली नॉन-एसी लोकल चलाने की योजना बनाई गई थी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी इसकी घोषणा की थी। इसके तहत चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF) में ऑटोमैटिक दरवाजों वाली दो नमूना नॉन-एसी लोकल तैयार की गई थीं।

खजुराहो-महोबा सेक्शन पर हुआ था ट्रायल

जानकारी के अनुसार, बंद दरवाजे वाली नॉन एसी के 2 नमूना रेक बनाया गया था। एक रेक मुंबई लाया गया था, जबकि दूसरे रेक का शुरुआती ट्रायल उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित खजुराहो-महोबा के बीच 63.27 किलोमीटर लंबे रेल सेक्शन पर किया गया था। यह सेक्शन झांसी रेल मंडल के अंतर्गत आता है। इस दौरान रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गनाइजेशन (RDSO) ने कुछ तकनीकी कमियां पाई थीं। इसके बाद संबंधित रेक को जरूरी बदलाव के लिए चेन्नई स्थित ICF भेज दिया गया था। अब सुधार के बाद वहीं रेक मुंबई पहुंच चुका है। मध्य रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, कुर्ला कारशेड में मौजूद पुराने नमूना रेक को भी सुधार के लिए चेन्नई भेजा जाएगा।

CoCR जांच में क्या देखा जाता है?

कन्फर्मेटरी ऑसिलोग्राफ कार रन (CoCR) ट्रेन की चाल और उसके प्रदर्शन से जुड़ी महत्वपूर्ण जांच है। इसमें अलग-अलग रफ्तार पर ट्रेन के चलने के दौरान डिब्बों में होने वाले कंपन, डिब्बों की हलचल, ट्रेन का संतुलन और यात्रियों के सफर की सुविधा की जांच की जाती है। इसके अलावा पहियों और पटरी के बीच तालमेल भी देखा जाता है। इस जांच से पता चलता है कि ट्रेन अलग-अलग रफ्तार पर कितनी स्थिरता से चलती है और उसमें किन तकनीकी सुधारों की जरूरत है।

एसी लोकल के आधार पर तैयार हुई है ट्रेन

इस नॉन-एसी लोकल को एसी लोकल के डिजाइन के आधार पर तैयार किया गया है। हालांकि, यात्रियों के लिए शुरू करने से पहले इसके सभी जरूरी तकनीकी और सुरक्षा परीक्षण पूरे करने होंगे। इसमें सामान्य और आपातकालीन ब्रेक, ट्रेन की रफ्तार और गति पकड़ने की क्षमता, सफर के दौरान संतुलन, सस्पेंशन, बोगी की कार्यक्षमता, पहियों और पटरी के बीच तालमेल, बिजली से जुड़ी व्यवस्था और ऑटोमैटिक दरवाजों की कार्यक्षमता की जांच होगी।

फिटनेस सर्टिफिकेट के बाद ही मिलेगी मंजूरी

नए रेक के सभी ट्रायल संतोषजनक होने के बाद उसे फिटनेस सर्टिफिकेट के लिए भेजा जाएगा। इसके साथ जरूरी सुरक्षा जांच भी पूरी करनी होगी। सभी मानकों पर खरा उतरने के बाद ही इसे यात्रियों की नियमित सेवा में शामिल करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। ऐसे में मुंबईकरों को बंद दरवाजों वाली नॉन-एसी लोकल में सफर करने के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा।

मुंबई की हवा हुई खतरनाक, कई इलाकों में AQI 480 के पार, देखें लिस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिवाली में हुआ आतिशबाजी के बाद मुंबई की हवा भी खतरनाक देखने को मिला। वायु प्रदूषण के कारण मुंबई के कई इलाकों में AQI 480 के भी पार चला गया है। आइए जानते हैं इन इलाकों के बारे में।

दिवाली के त्योहार के बाद पटाखों की आतिशबाजी का असर मुंबई की आबोहवा पर दिखाई दे रहा है। रात के समय अंधेरी, मानखुर्द और देवनार जैसे इलाकों में AQI 480 के पार पहुंच गया। वहीं चेंबूर, कुर्ला, खेरवाड़ी और बांद्रा जैसे इलाकों में AQI 220 के पार दर्ज किया गया। हालांकि, सुबह होते-होते प्रदूषण के स्तर में कुछ सुधार देखने को मिला। दादर और माटुंगा इलाके में AQI करीब 100 के आसपास दिखाई दिया। लेकिन प्रदूषण के असर के चलते सुबह मॉर्निंग वॉक करने वालों की संख्या में कमी नजर आई।

आम लोग क्या बोले?

मॉर्निंग वॉक के लिए पहुंचे लोगों की प्रदूषण को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली। कुछ लोगों का कहना था कि प्रदूषण को देखते हुए सरकार को पटाखों पर पाबंदी लगानी चाहिए। वहीं कुछ लोगों का मानना था कि दिवाली साल में एक बार आती है और त्योहार के दौरान एक-दो दिन की परेशानी सहन की जा सकती है। त्योहार में लोगों को पटाखे फोड़ने से पूरी तरह नहीं रोकना चाहिए। कुल मिलाकर दिवाली के बाद मुंबई की हवा पर आतिशबाजी का असर साफ दिखाई दिया। सुबह प्रदूषण के स्तर में कुछ सुधार जरूर हुआ, लेकिन हवा की गुणवत्ता को लेकर लोगों की चिंता बनी हुई है।

दिल्ली में भी हालात खराब

दूसरी ओर दिवाली के बाद देश की राजधानी दिल्ली में भी वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ गया है। दिल्ली के भी कई इलाकों में वायु का स्तर 400 के पार चला गया है। सुबह 6:30 बजे शहर का वायु 366 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' (very poor) श्रेणी में आता है। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्से घने स्मॉग की चपेट में रहे, जिससे आसमान धुंधला हो गया और दृश्यता (visibility) पर असर पड़ा। वायु प्रदूषण कम करने के लिए पानी का छिड़काव करने वाली 'एंटी-स्मॉग गन' का इस्तेमाल किया जा रहा है।

गुजरात में रिश्वतखोरी के मामलों में 152 सरकारी कर्मचारी कार्रवाई के घेरे में, 13 करोड़ रुपये की रिश्वत का मामला

पुलिस, गृह, राजस्व, पंचायत और शिक्षा विभाग के कर्मचारी भी आरोपों में शामिल; भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के आंकड़ों ने प्रशासनिक पारदर्शिता पर खड़े किए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात में सरकारी विभागों में रिश्वतखोरी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, राज्य में 152 सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ रिश्वतखोरी से जुड़े मामले सामने आए हैं। इन मामलों में करीब 13 करोड़ रुपये की राशि का उल्लेख किया गया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यह पूरी राशि रिश्वत के रूप में ली गई रकम है या इसमें अन्य जब्त संपत्ति भी शामिल है।

विभागवार आंकड़ों के अनुसार, पुलिस और गृह विभाग के कर्मचारियों के खिलाफ भी बड़ी संख्या में मामले दर्ज हुए हैं। वर्ष 2025 के आंकड़ों में गृह विभाग के 63, राजस्व विभाग के 27, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 17 और शिक्षा विभाग के 10 कर्मचारियों के खिलाफ रिश्वतखोरी के मामले सामने आए थे।

इन घटनाओं ने सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आम नागरिक जमीन संबंधी दस्तावेज, प्रमाणपत्र और अन्य जरूरी कार्यों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाता है। ऐसे में रिश्वतखोरी की घटनाएं व्यवस्था पर जनता के भरोसे को प्रभावित करती हैं।

भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए केवल आरोपियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है। मामलों की निष्पक्ष जांच, समयबद्ध सुनवाई और दोष सिद्ध होने पर सख्त कार्रवाई जरूरी है। साथ ही, संबंधित विभागों में जवाबदेही तय कर सरकारी सेवाओं को पारदर्शी बनाया जाना चाहिए।

अहमदाबाद में दिवाली की रात पटाखे फोड़ने को लेकर खूनी संघर्ष, 20-25 लोगों की भीड़ ने अपार्टमेंट पर किया हमला

साइंस सिटी रोड स्थित एम्पायर स्काईव्यू के बाहर मारपीट और तोड़फोड़ में पांच लोग घायल; परिवार की सुरक्षा के लिए लाइसेंसी पिस्तौल से हवा में 2-3 गोलियां चलाने का दावा, 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पॉश साइंस सिटी रोड स्थित एम्पायर स्काईव्यू अपार्टमेंट के बाहर दिवाली की रात पटाखे फोड़ने को लेकर विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मामूली कहासुनी के बाद करीब 20 से 25 लोगों की भीड़ वहां पहुंच गई और अपार्टमेंट के लोगों के साथ मारपीट तथा तोड़फोड़ शुरू कर दी। अचानक हुए हमले से परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना में अपार्टमेंट के सदस्यों सहित पांच लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिवाली की रात पटाखे फोड़ने को लेकर स्थानीय युवकों और कुछ बाहरी लोगों के बीच विवाद शुरू हुआ था। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और बड़ी संख्या में लोग लाठी-डंडों तथा अन्य हथियारों के साथ अपार्टमेंट के बाहर पहुंच गए। आरोप है कि भीड़ ने वहां मौजूद लोगों पर हमला किया और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। स्थिति बिगड़ने पर अपार्टमेंट निवासी राकेशभाई सोमाभाई पटेल ने अपनी और परिवार की सुरक्षा के लिए लाइसेंसी पिस्तौल से हवा में दो से तीन गोलियां चलाईं। बताया गया है कि गोलियों की आवाज सुनकर भीड़ कुछ समय के लिए पीछे हटी और लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने का मौका मिला। हालांकि, गोली चलाने की परिस्थितियों और इसकी वैधानिकता की जांच पुलिस करेगी। घटना की सूचना मिलते ही बोदकदेव पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शिकायत तथा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू की है। मामले में मिलन रबारी, मीत देसाई, मौलिक देसाई और राहुल देसाई सहित करीब 25 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने की जानकारी है। पुलिस आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। दिवाली जैसे त्योहार के दौरान हुई इस घटना ने शहर की कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिल्ली के मयूर विहार में सड़क पर दबंगई, कार रोककर चालक से मारपीट और शीशे तोड़े

घटना का वीडियो बनाने वाले यातायात पुलिसकर्मी को भी धमकाने का आरोप, सोशल मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के बाद पुलिस ने शुरू की आरोपियों की पहचान



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के मयूर विहार इलाके में सड़क पर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मामूली कहासुनी के बाद कुछ लोगों ने एक कार को बीच सड़क पर रोककर चालक के साथ मारपीट की और वाहन में जमकर तोड़फोड़ की। घटना के दौरान ड्यूटी पर तैनात एक यातायात पुलिसकर्मी ने अपने मोबाइल से पूरी घटना का वीडियो बना लिया। आरोप है कि इस दौरान हमलावरों ने पुलिसकर्मी को भी धमकी दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मयूर विहार क्षेत्र में रास्ता देने या वाहन चलाने को लेकर कार चालक और कुछ लोगों के बीच विवाद शुरू हुआ था। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और आरोपितों ने कार को रोक लिया। इसके बाद चालक के साथ मारपीट की गई। हमलावरों ने डंडों और अन्य वस्तुओं से कार के शीशे तोड़ दिए तथा वाहन को नुकसान पहुंचाया। सड़क पर अचानक हुई इस घटना से आसपास मौजूद राहगीरों और वाहन चालकों में दहशत फैल गई। घटना का सबसे चिंताजनक पहलू यह रहा कि मौके पर मौजूद यातायात पुलिसकर्मी द्वारा वीडियो बनाए जाने के बावजूद आरोपितों ने कथित रूप से उसे धमकाने का प्रयास किया। इससे सार्वजनिक स्थानों पर कानून-व्यवस्था और पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हुए हैं।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए वाहन के पंजीकरण नंबर और वीडियो के आधार पर संबंधित लोगों की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू की है। हालांकि, आरोपितों की गिरफ्तारी और मामले में दर्ज प्राथमिकी की स्थिति की पुष्टि उपलब्ध जानकारी में नहीं है।

राजधानी की व्यस्त सड़कों पर इस तरह की घटनाएं आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाती हैं। मामूली विवादों में हिंसा और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई जरूरी है।

नोटबंदी के 10 साल: काले धन पर रोक के दावों के बीच बाजार में 43.2 लाख करोड़ रुपये नकद

2016 में 86.4 प्रतिशत मुद्रा चलन से बाहर की गई थी, लेकिन अक्टूबर 2026 तक नकदी का स्तर बढ़कर 2.6 गुना हुआ; डिजिटल भुगतान बढ़ने के बावजूद नकदी पर कायम भरोसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। देश में नोटबंदी के दस वर्ष पूरे हो गए हैं। 8 नवंबर 2016 को केंद्र सरकार ने अचानक 500 और 1000 रुपये के पुराने नोटों का प्रचलन बंद करने की घोषणा की थी। इस फैसले का उद्देश्य काले धन पर अंकुश लगाना, नकली मुद्रा पर रोक लगाना और आतंकवादी गतिविधियों की आर्थिक सहायता को बाधित करना था। इसके साथ ही डिजिटल भुगतान और नकदी रहित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का लक्ष्य भी रखा गया था। नोटबंदी से पहले वित्त वर्ष 2015-16 के अंत में देश में प्रचलित नकदी लगभग 16.6 लाख करोड़ रुपये थी। वहीं, उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 23 अक्टूबर 2026 तक यह बढ़कर करीब 43.2 लाख करोड़ रुपये हो गई। यानी दस वर्षों में प्रचलन में नकदी लगभग 2.6 गुना बढ़ गई। यह स्थिति नोटबंदी के बाद नकदी के उपयोग में कमी आने की उम्मीदों पर सवाल खड़े करती है। हालांकि, इस दौरान देश में डिजिटल भुगतान का भी तेजी से विस्तार हुआ है। आज छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तक त्वरित भुगतान व्यवस्था का इस्तेमाल बढ़ा है। इसके बावजूद ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि, छोटे कारोबार और असंगठित क्षेत्र में नकदी का महत्व बना हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था, जनसंख्या, लेन-देन की जरूरतों और डिजिटल माध्यमों से जुड़ी चुनौतियों के कारण नकदी की मांग बनी हुई है। नोटबंदी के बाद अधिकांश पुराने नोट बैंकिंग व्यवस्था में वापस लौट आए थे। वहीं, डिजिटल भुगतान के विस्तार को इस फैसले के बाद हुए महत्वपूर्ण बदलावों में गिना जाता है। दस वर्ष बाद सामने आए ये आंकड़े बताते हैं कि डिजिटल भुगतान में वृद्धि के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में नकदी की भूमिका समाप्त नहीं हुई है। ऐसे में नोटबंदी के वास्तविक आर्थिक प्रभाव और उसके घोषित उद्देश्यों की सफलता को लेकर बहस आज भी जारी है।

दाहोद के संजेली में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प, पुलिस की 112 टीम पर पथराव से वाहन क्षतिग्रस्त

लाठी-डंडों और पत्थरों से हुआ हमला, स्थिति नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात; सीसीटीवी से उपद्रवियों की पहचान शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो



दाहोद। जिले के संजेली क्षेत्र में दो गुटों के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट और पथराव हुआ। स्थिति को नियंत्रित करने पहुंची पुलिस की आपातकालीन सेवा 112 की टीम को भी उपद्रवियों ने निशाना बनाया। पथराव में पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार, संजेली में दो गुटों के बीच किसी विवाद को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला किया। अचानक हुई इस घटना से क्षेत्र में दहशत फैल गई और आसपास के दुकानदारों ने एहतियातन अपनी दुकानें बंद कर दीं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की 112 आपातकालीन टीम मौके पर पहुंची और स्थिति शांत कराने का प्रयास किया। इसी दौरान कुछ उपद्रवियों ने पुलिस वाहन पर पथराव कर दिया, जिससे वाहन को नुकसान पहुंचा। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, विशेष अभियान समूह और स्थानीय अपराध शाखा की टीमें अतिरिक्त पुलिस बल के साथ संजेली पहुंचीं। पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर गश्त बढ़ा दी है। पथराव और हिंसा में शामिल लोगों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि हिंसा और सरकारी कार्य में बाधा डालने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

किसानों की जमीन पर बिजली टावरों का बोझ, एकमुश्त मुआवजे के बाद भी जीवनभर नुकसान

हाईटेंशन लाइनों से जमीन की कीमत और खेती प्रभावित होने का दावा, किसानों ने उचित मुआवजे के साथ वार्षिक भुगतान व्यवस्था लागू करने की उठाई मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो



गुजरात। खेतों से गुजरने वाली उच्च क्षमता वाली बिजली लाइनों और खेतों में लगाए जाने वाले बिजली टावरों को लेकर किसानों की परेशानियां एक बार फिर चर्चा में हैं। किसानों का कहना है कि बिजली कंपनियां टावर लगाने के बदले एकमुश्त मुआवजा देकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेती हैं, जबकि संबंधित जमीन का उपयोग और उसकी आर्थिक क्षमता लंबे समय तक प्रभावित रहती है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या एक बार मिलने वाला मुआवजा भविष्य में होने वाले नुकसान की भरपाई कर सकता है?

किसानों के अनुसार, खेत में बिजली टावर लगने या ऊपर से उच्च क्षमता की लाइन गुजरने के कारण जमीन का बाजार मूल्य प्रभावित हो सकता है। भविष्य में जमीन बेचने या गिरवी रखने की स्थिति में भी उचित कीमत मिलने में परेशानी आती है। इसके अलावा टावर के आसपास खेती करना और ट्रैक्टर, थ्रेसर जैसी कृषि मशीनों का संचालन करना कठिन हो जाता है। इससे खेत के कुछ हिस्सों का उपयोग सीमित होने की आशंका रहती है।

किसानों ने बिजली लाइनों से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं पर भी ध्यान दिलाया है। तेज हवा और बरसात के दौरान तार टूटने या विद्युत दुर्घटना का खतरा खेतों में काम करने वाले लोगों और पशुओं के लिए गंभीर हो सकता है।

किसानों की मांग है कि सरकार और बिजली कंपनियां मुआवजे की व्यवस्था की समीक्षा करें। एकमुश्त भुगतान के साथ दीर्घकालीन नुकसान का उचित आकलन किया जाए और जरूरत के अनुसार वार्षिक भुगतान या किराए जैसी व्यवस्था बनाई जाए, ताकि किसानों के हितों की रक्षा हो सके।

25 साल में भी मोदी के विजन का मुकाबला नहीं कर पाई कांग्रेस: हर्ष सांघवी

गुजरात के उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा- विपक्ष के पास विकास का कोई ठोस विकल्प नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो



गुजरात। उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले 25 वर्षों में पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, विकास कार्यों और दूरदर्शी सोच का कोई प्रभावी विकल्प पेश नहीं कर पाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास विकास को लेकर कोई स्पष्ट दीर्घकालीन योजना नहीं है और वह केवल विरोध की राजनीति तक सीमित रह गई है। सांघवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक के राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में विकास और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। उन्होंने डिजिटल व्यवस्था, आधारभूत सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं को सरकार की प्रमुख उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को पिछले ढाई दशकों में इन विकास कार्यों के मुकाबले कोई ठोस वैकल्पिक दृष्टिकोण सामने रखना चाहिए था, लेकिन पार्टी ऐसा करने में सफल नहीं रही। उनके इस बयान से गुजरात की राजनीति में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज होने के संकेत हैं। हालांकि, यह बयान हर्ष सांघवी की राजनीतिक राय और कांग्रेस के प्रति उनकी आलोचना को दर्शाता है। कांग्रेस की ओर से इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया सामने आने के बाद ही इस राजनीतिक बहस का अगला रुख स्पष्ट होगा।

कपड़वंज की इंद्रप्रस्थ टाउनशिप में पेड़ में लगी भीषण आग, दिवाली पर मची अफरा-तफरी

पटाखों की चिंगारी से आग लगने की आशंका, आसपास मकान और वाहन होने से बढ़ा खतरा; स्थानीय लोगों की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



खेड़ा। जिले के कपड़वंज कस्बे में रत्नाकर माता रोड स्थित इंद्रप्रस्थ टाउनशिप में दिवाली के दौरान एक पेड़ में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें तेजी से फैलने लगीं और आसमान में धुएं का गुबार उठने से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पेड़ के नजदीक रिहायशी मकान और वाहन खड़े होने के कारण आग के फैलने का खतरा बढ़ गया था।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पटाखे फोड़ने के दौरान निकली चिंगारी से आग लगने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि आग लगने के वास्तविक कारण की पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। समय रहते आग पर काबू पाने से आसपास के मकानों और वाहनों तक लपटें पहुंचने से बच गईं।

घटना के बाद नागरिकों ने त्योहारों के दौरान पटाखे फोड़ते समय सावधानी बरतने की अपील की है। घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पेड़ों, वाहनों और बिजली के तारों के पास पटाखे नहीं फोड़ने चाहिए। बच्चों को पटाखे चलाते समय बड़ों की निगरानी में रखना और आसपास पानी की व्यवस्था रखना भी जरूरी है। इस घटना ने एक बार फिर त्योहारों के दौरान सतर्कता और सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया है।

2030 कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले अहमदाबाद को 'भिखारी-मुक्त' बनाने का एक बड़ा मिशन; अब भिखारियों के साथ-साथ भीख देने वालों पर भी सज़ा होगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद शहर आने वाले साल 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स की मेज़बानी के लिए पहले से ही तैयारी कर रहा है। शहर की इंटरनेशनल इमेज सुधारने और इसे ज़्यादा सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (AMC), पुलिस डिपार्टमेंट और सोशल सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने एक बहुत ज़रूरी और सख्त कैंपेन शुरू किया है।

शहर में ट्रैफिक जंक्शन, धार्मिक जगहों और पब्लिक सड़कों पर दिखने वाली भीख मांगने की आदत पर रोक लगाने के लिए सिस्टम अब एक्शन मोड में आ गया है। इस कैंपेन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि अब न सिर्फ़ भिखारियों के खिलाफ, बल्कि सड़क पर भीख देने वाले नागरिकों के खिलाफ भी सज़ा होगी! केंद्र सरकार के 'SMILE' प्रोजेक्ट के तहत 186 हॉटस्पॉट पर चेतावनी बोर्ड

केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की 'SMILE' (सपोर्ट फॉर मार्जिनलाइज्ड इंडिविजुअल्स फॉर लाइवलीहुड एंड एंटरप्राइज) स्कीम के तहत अहमदाबाद शहर में एक खास सर्वे किया गया है। इस सर्वे के आधार पर, शहर में कुल 186 भिखारी हॉटस्पॉट (ऐसे इलाके जहां भिखारियों का अनुपात सबसे ज़्यादा है) की पहचान की गई है।

इन सभी 186 हॉटस्पॉट पर प्रशासन की तरफ से ऑफिशियल चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं, जिनसे साफ पता चलता है कि ट्रैफिक सिग्नल या पब्लिक जगहों पर भीख देना या लेना कानून के तहत जुर्म है।

हेल्पलाइन नंबर 155303 बना वरदानः अब तक 732 भिखारियों को सफलतापूर्वक बचाया गया

सोशल सिक्योरिटी डिपार्टमेंट और AMC की रेस्क्यू टीम इस कैंपेन को ग्राउंड लेवल पर सफल बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। डेडिकेटेड हेल्पलाइन नंबर 155303 पर लोगों से मिली जानकारी और लगातार पेट्रोलिंग के आधार पर, अब तक कुल 732 भिखारियों को सफलतापूर्वक बचाया गया है।

यह मिशन सिर्फ़ भिखारियों को सड़कों से हटाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें मानवीय नज़रिए से फिर से बसाया जा रहा है।

शेल्टर होम में वोकेशनल ट्रेनिंग और रोज़ी-रोटी के नए रास्ते

बचाए गए भिखारियों को सरकारी और NGO द्वारा चलाए जा रहे शेल्टर होम में रखा जाता है। यहाँ, उन्हें न सिर्फ़ खाना और रहने की जगह दी जाती है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए खास वोकेशनल ट्रेनिंग भी दी जाती है।

उन्हें सिलाई, हैंडीक्राफ्ट, छोटे उद्योग और रोज़गार से जुड़े दूसरे हुनर सिखाए जाते हैं।

उन्हें मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए काउंसलिंग दी जाती है।

ट्रेनिंग पूरी करने के बाद, सिस्टम की तरफ़ से ठोस कोशिशें की जा रही हैं ताकि वे अपनी मेहनत से सम्मानजनक रोज़ी-रोटी कमा सकें और समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें।

लोगों से अपीलः दया मत दिखाओ, सहयोग करो! अक्सर लोग दया या पुण्य की भावना से ट्रैफिक सिग्नल पर खड़े भिखारियों या बच्चों को पैसे या खाना देते हैं। लेकिन अधिकारियों और एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह दया असल में भीख मांगने वाले रैकेट को बढ़ावा देती है।

साल 2030 की ग्लोबल घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, अहमदाबाद को अनुशासित, साफ और भिखारी-मुक्त बनाना सिर्फ सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर आपको अपने इलाके में कोई भिखारी दिखे, तो तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर इसकी सूचना दें और अहमदाबाद का नाम रोशन करने में सहयोग करें!

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.